आश्विन कृष्ण - 8 ■ संवत 2082 ■ वर्ष - 21 ■ अंक - 53 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » सोमवार » 15-09-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

सत्यमेव जयते
भारत सरकार

विकसित बिहार विकसित भारत

बिहार के लोगों के लिए विद्युत, रेलवे, एयरपोर्ट, आवासन एवं शहरी कार्य, जल शक्ति, ग्रामीण विकास, कृषि, पशुपालन तथा डेयरी क्षेत्रों की 36000 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं का उपहार

शिलान्यास

- पीरपैंती (भागलपुर) में 3x800 मेगावाट ताप विद्युत परियोजना
- कोसी–मेची अंतर–राज्यीय नदी लिंक परियोजना फेज़–I
- बिक्रमशिला–कटरिया के बीच नई रेल लाइन (26 किमी)
- सुपौल तथा कटिहार जिलों में अवरोधन एवं विपथन (आई एंड डी) एवं अपशिष्ट शोधन संयंत्र (एसटीपी) कार्य
- दरभंगा, कटिहार तथा भागलपुर में जलापूर्ति परियोजनाएं

उद्घाटन

- पूर्णिया हवाई अड्डे के अंतरिम टर्मिनल भवन
- अररिया–गलगलिया (ठाकुरगंज) के बीच नई रेल लाइन (111 किमी)
- नमामि गंगे कार्यक्रम के अंतर्गत भागलपुर में अपशिष्ट शोधन संयंत्र (एसटीपी) तथा अवरोधन एवं विपथन (आई एंड डी)
- पूर्णिया में स्वदेशी गोजातीय लिंग–विभेदित वीर्य उत्पादन सुविधा

हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ

- पूर्णिया हवाई अड्डे से पहली वाणिज्यिक उड़ान
- अररिया–गलगलिया नई रेल लाइन से होकर जाने वाली कटिहार–सिलीगुड़ी एक्सप्रेस
- जोगबनी–दानापुर वंदे भारत एक्सप्रेस
- सहरसा–छेहरटा (अमृतसर) अमृत भारत एक्सप्रेस
- जोगबनी–इरोड अमृत भारत एक्सप्रेस

गृह प्रवेश

- प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) (बिहार के 35600 लाभार्थी)
- प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) (बिहार के 5920 लाभार्थी)

एनआरएलएम के अंतर्गत लाभों के वितरण

- बिहार में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) के अंतर्गत समूह स्तरीय संघों के लिए ₹500 करोड़ की सामुदायिक निवेश निधि (सीआईएफ) तथा पाँच सीएलएफ को चेकों की सुपुर्दगी

शुभारंभ

- राष्ट्रीय मखाना बोर्ड

परियोजनाओं के लाभ

- पूर्णिया हवाई अड्डे पर नए सिविल एन्क्लेव के विकास से क्षेत्र में हवाई यात्रा की माँग पूरी होगी
- नई लाइनों और रेलगाड़ियों के परिचालन से कुशल एवं किफायती रेल यात्रा के साथ यात्री और माल ढुलाई के लिए संपर्कता को बढ़ावा मिलेगा
- नए ताप विद्युत संयंत्रों से विद्युत उत्पादन से घरेलू और औद्योगिक खपत के लिए विद्युत की अधिक उपलब्धता सुनिश्चित होगी
- नए जलापूर्ति तंत्रों से संधारणीय जल प्रबंधन को बढ़ावा मिलेगा और जल जीवन मिशन के अंतर्गत नल से जल के कनेक्शन उपलब्ध कराने में तेजी आएगी
- अवरोधन एवं विपथन (आई एंड डी) तथा नए अपशिष्ट शोधन संयंत्र (एसटीपी) नदी के प्रदूषण को कम करेंगे तथा गंगा के पुनरुद्धार में सहायक सिद्ध होंगे
- प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण एवं शहरी) के अंतर्गत 41,520 परिवार घर के मालिक बनेंगे
- गोजातीय लिंग–विभेदित वीर्य उत्पादन सुविधा से डेयरी किसानों की आय में वृद्धि होगी तथा उनका आर्थिक बोझ कम होगा
- राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) के अंतर्गत धनराशि के वितरण से वित्तीय समावेशन को बढ़ावा और ग्रामीण निर्धन परिवारों/स्वयं सहायता समूहों का सशक्तिकरण
- मखाना उत्पादन उद्योग को बढ़ावा, जिससे इस क्षेत्र में वैश्विक मानचित्र पर बिहार की पहचान को सुदृढ़ता मिलेगी

श्री नरेन्द्र मोदी

माननीय प्रधानमंत्री

द्वारा

सोमवार, 15 सितंबर, 2025 | अपराह्न 03:30 बजे | पूर्णिया, बिहार

गरिमामयी उपस्थिति

श्री आरिफ मोहम्मद खान
राज्यपाल, बिहार

श्री नीतीश कुमार
मुख्यमंत्री, बिहार

श्री मनोहर लाल
केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य तथा विद्युत मंत्री

श्री शिवराज सिंह चौहान
केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री

श्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह
केंद्रीय मत्स्यपालन, पशुपालन एवं डेयरी तथा पंचायती राज मंत्री

श्री किंजरापु राममोहन नायडू
केंद्रीय नागर विमानन मंत्री

श्री अश्विनी वैष्णव
केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

श्री सी. आर. पाटिल
केंद्रीय जल शक्ति मंत्री

श्री सम्राट चौधरी
उप मुख्यमंत्री, बिहार

श्री विजय कुमार सिन्हा
उप मुख्यमंत्री, बिहार

श्री राजेश रंजन
संसद सदस्य (लोकसभा)

श्री विजय कुमार खेमका
विधायक, पूर्णिया

CBC 03111/15/0011/2526

DD NEWS कार्यक्रम का सीधा प्रसारण डीडी न्यूज़ पर देखें

जांच शिविर

तेरापंथ युवक परिषद राजाजीनगर द्वारा संचालित आचार्य तुलसी डायग्नोस्टिक सेंटर श्रीरामपुरम में अभातेयुप के 61वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में निःशुल्क बीएमडी जांच शिविर का आयोजन किया गया। ऑर्थोपेडिक ज्वाइंट रिप्लेसमेंट स्पेशलिस्ट डॉक्टर मोहित नहाटा द्वारा विभिन्न प्रकार की कैल्शियम युक्त चीजों का सेवन, नियमित व्यायाम का निःशुल्क परामर्श प्रदान किया गया। इस शिविर में 75 लोग लाभान्वित हुए। शिविर में एटीडीसी संयोजक राजेश देरासरिया सहित अन्य पदाधिकारियों का सहयोग रहा।

शिष्टाचार मुलाकात

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

प्रवासी राजस्थानी कर्नाटक संघ के सदस्यों ने शनिवार को कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत से शिष्टाचार भेंट कर एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में प्रवासी बंधुओं के राजस्थान आवागमन हेतु बेंगलूरु से जोधपुर के लिए वंदे भारत रेल चलाने की माँग को लेकर रेलमंत्री को पत्र लिखने का निवेदन किया। प्रतिनिधिमंडल में संघ के महामंत्री जवरीलाल लुनावत के नेतृत्व में संघ के पदाधिकारियों ने राज्यपाल को जैन ग्रंथ भेंट करते हुए मागड़ी रोड के ज्येष्ठ पुष्कर धाम में चातुर्मास हेतु विराजमान संतश्री नरेश मुनिजी के दर्शन हेतु आमंत्रित किया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

गणेशोत्सव

बेंगलूर के ट्रिंकल बॉयज चोलुरपाल्या द्वारा आयोजित गणेश उत्सव कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने भगवान गणेश के दर्शन कर आशीर्वाद लिया एवं जरूरतमंद बच्चों में शिक्षण सामग्री वितरित की। आयोजकों ने मुणोत को सम्मानित किया।

अभिमान ही मनुष्य के जीवन को बर्बाद करता है : संत ज्ञानमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संत ज्ञानमुनिजी ने कहा कि मनुष्य को अपनी पीड़ा को भगवान के सामने व्यक्त करना चाहिए। जब भगवान दया करेंगे तो सब सही हो जाएगा। मनुष्य को जीवन में कभी अभिमान ना आए ऐसी प्रार्थना करनी चाहिए। मनुष्य की सबसे बड़ी कमजोरी उसका अभिमान होता है। जिस मनुष्य को अभिमान आ गया वह किसी की नहीं सुनता है। जब अभिमान आ जाता है तो मनुष्य कुछ भी छोड़ देता है लेकिन जीवन का कल्याण करना है तो कषाय छोड़ना चाहिए। मान छोड़ने का प्रयास करना चाहिए। मनुष्य को पीछे जाने का सबसे बड़ा कारण उसका अभिमान ही है। अगर सुख की आशा है तो आप कुछ नहीं सीख सकते हैं। मनुष्य अपने समर्पण और विनय से ही बुद्धि प्राप्त करता है, लेकिन उसको गंवाने के लिए ज्यादा समय नहीं लगता है। मनुष्य अपने अहंकार से सब कुछ बेकार कर सकता है।संतश्री ने कहा कि भले ही कोई पेड़ फल नहीं देता है, लेकिन वह छाया देता है। इसलिए किसी को कम मत समझो। समय आने पर कुछ भी हो सकता है। अपने बुजुर्गों का सम्मान करो। उनके दिखाए रास्ते पर चलना सीखो। समय जाने के बाद कुछ नहीं मिलेगा। जब तक जीवन है कुछ बेहतर कर लेना चाहिए। अगर कुछ अच्छा करोगे तो ही मरने के बाद दुनिया याद रखेगी। सभी का स्वागत कोषाध्यक्ष मनोहरलाल मुथा ने किया। संचालन महामंत्री मनोहर लाल लुकड़ ने किया।

गुरु दर्शनार्थ संघ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के राजाजीनगर तेरापंथी सभा ट्रस्ट के तत्वावधान में आयोजित तीन दिवसीय गुरु दर्शनार्थ संघ के सदस्यों ने अहमदाबाद में विराजित आचार्यश्री महाश्रमणजी के दर्शन किए। राजाजीनगर के सभा के अध्यक्ष अशोक चौधरी आचार्यश्री से क्षमायाचना करते हुए भवन में गतिशील सभी गतिविधियों की जानकारी दी। सभी संघ यात्रियों ने मुख्यमुनिश्री, साध्वी प्रमुखाश्री व अन्य साधु साध्वियों के दर्शन किए। मंत्री चंद्रेश मांडोत ने सभी के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की। यात्रा संयोजक रनित कोठारी व गौतम टेबा ने व्यवस्था संभाली।

'मातृछाया' की मेगा शॉपिंग प्रदर्शनी कल से होटल त्रिशला में

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। जैन महिला संगठन 'मातृछाया' की ओर से पहचान सीजन 5 के तहत दो दिवसीय मेगा शॉपिंग प्रदर्शनी 'हुनर के रंग, अपनो के संग' आयोजन 16 से वीवीपुरम स्थित त्रिशला रेजीडेंसी में किया जा रहा है। इस प्रदर्शनी की तैयारियों के लिए एक बैठक का आयोजन किया गया। मातृछाया की अध्यक्ष ललिता नागोरी ने बताया कि प्रदर्शनी का उद्घाटन माइक्रो प्रिंट एंड पैक के प्रबंध निदेशक जयंतीलाल बालर एवं समाजसेवी कांता महावीरचंद समदड़िया द्वारा किया जाएगा। सचिव रेशमा बड़ोला ने बताया कि मातृछाया द्वारा उभरती हुई महिला उद्यमियों को प्रोत्साहित करने और जरूरतमंद परिवारों को सहयोग देने के उद्देश्य से यह प्रदर्शनी लगाई जा रही है जो कि बिल्कुल निशुल्क है। मार्गदर्शिका त्रिशला कोठारी ने बताया कि इस प्रदर्शनी में डिज़ाइनर सारीज, फैशनेबल ड्रेस, सजावटी सामग्री एवं स्टाइलिश फैशनेबल आइटम्स, इमीटेशन ज्वेलरी,होम एप्लायंसेज, लेडीज एक्सेसरीज, आकर्षक लेडीज बैग एवं पर्स, श्रृंगार सामग्री, हैंडलूम्स, खाने पीने आदि के करीब 48 स्टाल लगाए जाएंगे। नीलम ललवानी, संयोजिका पुष्पा बाफना एवं मोनिका पालरेचा अपनी टीम के साथ इसकी तैयारियों में जुटी हुई हैं।

भारत कच्चे तेल, गैस के आयात को कम करने के लिए कदम उठा रहा : प्रधानमंत्री मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नुमालीगढ़ (असम)/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार कच्चे तेल और गैस के आयात को कम करने के लिए कदम उठा रही है तथा जीवाश्म ईंधन के भंडारों की खोज और हरित ऊर्जा के उत्पादन पर अधिक ध्यान केंद्रित कर रही है।

असम के नुमालीगढ़ में 12,000 करोड़ रुपए से अधिक की परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास करने के बाद मोदी ने एक रैली को संबोधित करते हुए कहा कि भारत दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक के रूप में उभर रहा है, लेकिन देश कच्चे तेल और गैस के लिए दूसरे देशों पर निर्भर है। उन्होंने कहा, इसे बदलने के लिए, हमें अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने के उपायों पर ध्यान केंद्रित करना होगा। सरकार तेल अन्वेषण और हरित ऊर्जा उत्पादन पर काम कर रही है। मोदी ने कहा कि इथेनॉल ऊर्जा का एक प्रमुख वैकल्पिक स्रोत है और नुमालीगढ़ में नवनिर्मित बायोइथेनॉल संयंत्र से किसानों और आदिवासियों को काफी फायदा मिलेगा। उन्होंने कहा कि पॉलीप्रोपाइलीन संयंत्र (जिसकी आधारशिला भी मोदी ने रखी) से स्थानीय अर्थव्यवस्था को बहुत लाभ होगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि ऊर्जा और सेमीकंडक्टर 'आत्मनिर्भर भारत' के लक्ष्य को गति देने वाले दो प्रमुख कारक हैं। उन्होंने रेखांकित किया कि असम की इन दोनों ही क्षेत्रों में महत्वपूर्ण भूमिका है। मोदी ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि असम में उग्रवाद और अशांति के लिए विपक्ष दल जिम्मेदार है। उन्होंने कहा, कांग्रेस ने असम की विरासत और दिग्गज हस्तियों की भी अनदेखी की, लेकिन भाजपा ने राज्य में विकास किया तथा उसकी विरासत को पहचान दिलाई। मोदी ने दावा किया कि कांग्रेस ने वोट के लिए घुसपैठियों का समर्थन किया, जिसके चलते असम आज जनसांख्यिकीय चुनौतियों का सामना कर रहा है। उन्होंने कहा, असम सरकार अतिक्रमणकारियों को बेदखल कर रही है और वंचित लोगों को भूमि अधिकार प्रदान कर रही है। प्रधानमंत्री ने कहा, हम आदिवासियों के कल्याण के लिए कदम उठा रहे हैं, जिन्हें कांग्रेस शासन के दौरान नजरअंदाज किया गया था। भाजपा सरकार असम को व्यापार और पर्यटन का केंद्र बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

जीएसटी सुधारों का लाभ दिन की शुरुआत से रात को सोने जाने तक, सभी उत्पादों पर मिलेगा : वित्त मंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि माल एवं सेवा कर (जीएसटी) सुधार देश के प्रत्येक नागरिक के लिए एक बड़ी जीत है। सीतारमण ने रविवार को चेन्नई में एक कार्यक्रम में कहा कि भारत के प्रत्येक राज्य के अपने त्योहारों को ध्यान में रखते हुए, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा दीपावली से पहले जीएसटी सुधारों को लागू करने के निर्देश से बहुत पहले ही इन्हें लागू करने का निर्णय लिया गया है।

चेन्नई सिटीजन्स फोरम द्वारा आयोजित 'उभरते भारत के लिए कर सुधार' कार्यक्रम में अपने संबोधन में सीतारमण ने कहा कि माल एवं सेवा कर का लाभकारी प्रभाव सुबह की शुरुआत से लेकर रात के सोने तक सभी उत्पादों पर रहेगा। कुछ प्रमुख पहल का उल्लेख करते हुए सीतारमण ने कहा कि जिन 99 प्रतिशत वस्तुओं पर पहले जीएसटी के तहत 12 प्रतिशत कर लगता था, अब उनपर सिर्फ पांच प्रतिशत कर लगेगा। नए जीएसटी सुधार (2.0) 22 सितंबर से लागू होंगे।

जीएसटी परिषद द्वारा 350 से ज़्यादा वस्तुओं पर कर की दरों में कटौती का ज़िक्र करते हुए उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार ने पहले अलग-अलग स्लैब के तहत कर लगाने की प्रथा के बजाय केवल पांच और 18 प्रतिशत के स्लैब लागू किए हैं। उन्होंने कहा, हमने व्यापारियों के लिए भी प्रक्रिया को सरल बनाया है। किसी भी उत्पाद पर 28 प्रतिशत जीएसटी कर नहीं है। व्यापारियों के कर दायरे में वृद्धि का ज़िक्र करते हुए उन्होंने कहा कि 2017 में जीएसटी लागू होने से पहले केवल 66 लाख व्यापारी ही कर दाखिल करते थे।

हरियाणा में इस वर्ष एनईपी को पूरी तरह लागू किया जाएगा : नायब सिंह

चंडीगढ़/भाषा। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने रविवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने के सपने को साकार करने के लिए राज्य में शिक्षा व्यवस्था को मजबूत किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार हरियाणा को शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी राज्य बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

सैनी ने कहा कि इस वर्ष तक राज्य में नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) को पूरी तरह से लागू करने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने कहा कि राज्य में 10 नए औद्योगिक मॉडल टाउनशिप स्थापित किए जाएंगे, जिससे लाखों युवाओं को रोजगार के अवसर मिलेंगे। सैनी ने कहा कि पिछले 10 वर्षों में 1.80 लाख युवाओं को पूरी तरह से योग्यता के आधार पर सरकारी नौकरियां दी गई हैं। मुख्यमंत्री रोहतक में 'सैनी शिक्षण संस्थान' के 75वें स्थापना वर्ष के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे।

थम सकती है सोने की तेजी, फेडरल रिजर्व के नीति फैसले पर निवेशकों की नजर

नई दिल्ली/भाषा। अमेरिकी फेडरल रिजर्व के 17 सितंबर को नीति फैसले से पहले सोने की कीमतों में तेजी कुछ थम सकती है, लेकिन विश्लेषकों का कहना है कि आगे चलकर इस कीमती धातु की चमक बरकरार रहेगी। उन्होंने कहा कि कारोबारी शुल्क प्रभाव का आकलन करने के लिए व्यापार मुद्रास्फीति के आंकड़ों, ब्रिटेन और यूरो क्षेत्र सहित प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के मुद्रास्फीति के आंकड़ों, और बैंक ऑफ इंग्लैंड तथा बैंक ऑफ जापान की मौद्रिक नीति बैठकों पर नजर रखेंगे। जेएम फाइनेंशियल सर्विसेज के - जिंस एवं मुद्रा शोध के उपाध्यक्ष प्रणव मेर ने कहा, सोने की कीमतों में सकारात्मक गति जारी रही और यह लगातार चौथे सप्ताह बढ़त के साथ बंद हुआ। हालांकि सप्ताह के मध्य में बढ़त की गति कुछ धीमी हो गई।

एनटीपीसी अकेले परमाणु ऊर्जा परियोजनाएं स्थापित करने पर भी कर रही विचार : सीएमडी

नई दिल्ली/भाषा। बिजली क्षेत्र की प्रमुख कंपनी एनटीपीसी संयुक्त उद्यम के तहत और एकल आधार पर, दोनों ही तरह से परमाणु ऊर्जा परियोजनाएं स्थापित करने की योजना बना रही है। कंपनी के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) गुरदीप सिंह ने यह जानकारी दी। सिंह ने कहा कि कंपनी विशिष्ट परमाणु ऊर्जा परियोजनाओं की संभावना तलाशने के लिए प्रौद्योगिकी प्रदाताओं और राज्य सरकारों के साथ सहयोग कर रही है। इस समय एनटीपीसी समूह की स्थापित क्षमता 82,926 मेगावाट (एनटीपीसी के स्वामित्व वाले 53 स्टेशन और 53 संयुक्त उद्यम/सहायक स्टेशन) है। यह बिजली कोयला, तरल ईंधन, जलविद्युत और सौर ऊर्जा जैसे स्रोतों से तैयार होती है। सिंह ने दिसंबर 2024 में परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में प्रवेश करने की एनटीपीसी की महत्वाकांक्षी योजना के बारे में बताया था। इससे कंपनी के गैर-जीवाश्म ऊर्जा पोर्टफोलियो में वृद्धि होगी।

उद्धव के साथ गठबंधन में राज का पलड़ा भारी : राजनीतिक विश्लेषक

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे मुंबई और आसपास के महानगरीय क्षेत्र सहित राज्य के कई शहरों में होने वाले नगर निकाय चुनावों से पहले अपने चचेरे भाई उद्धव ठाकरे की शिवसेना (उबाठा) के साथ संभावित गठबंधन की शर्तें तय करते नजर आ रहे हैं। राजनीतिक विश्लेषकों ने रविवार को यह बात कही।

शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) साल 2022 में एकनाथ शिंदे की बगावत के कारण पार्टी (अविभाजित शिवसेना) के दो हिस्सों में बंटने के बाद अस्तित्व में आई थी। पिछले साल नवंबर में हुए महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में पार्टी ने बेहद निराशाजनक प्रदर्शन करते हुए महज 20 सीटों पर दर्ज की थी। राजनीतिक विश्लेषकों ने कहा कि कई पूर्व पार्षदों और नेताओं ने उद्धव के नेतृत्व वाली पार्टी का दामन छोड़ दिया है, जिसके कारण उन्हें मराठी वोटों को एकजुट करने के लिए राज ठाकरे का समर्थन लेने के लिए मजबूर होना पड़ा है। उद्धव और राज ने हाल-फिलहाल में न सिर्फ मंच साझा किया है, बल्कि उनके बीच कई मुलाकातें भी हुई हैं, जिससे शिवसेना (उबाठा) और मनसे के बीच गठबंधन की अटकलों को बल मिला है। स्कूलों के लिए त्रिभाषा नीति का उद्धव व राज दोनों ने ही विरोध किया था। उन्होंने दावा किया इस नीति में हिंदी को मराठी भाषा पर प्राथमिकता दी गई है।

'विकसित भारत' के दृष्टिकोण को आकार देने में महिलाओं की भूमिका महत्वपूर्ण : ओम बिरला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुपति/भाषा। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि महिलाएं अपनी नेतृत्व क्षमता और योगदान के माध्यम से 'विकसित भारत' के दृष्टिकोण को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

बिरला ने यहां 'नेशनल कॉन्फ्रेंस ऑफ द कमेटी ऑन वूमेन पार्लियामेंट एंड स्टेट एंड यूनियन टेरीटरी लेजिस्लेचर्स' के राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, महिलाएं अपनी दूरदर्शिता और नेतृत्व क्षमता से 'विकसित भारत' के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं और राष्ट्र की प्रगति को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्र तभी वास्तविक रूप से समृद्ध होगा जब उसकी आधी महिलाएं आर्थिक रूप से स्वतंत्र होंगी। बिरला ने कहा, महिलाओं के आर्थिक रूप से स्वतंत्र होने से ही 'आत्मनिर्भर भारत' का विजन शानदार सफलता प्राप्त करेगा। बिरला ने इस बात पर बल दिया कि इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए केंद्रीय और राज्य समितियों को मिलकर काम करना होगा। उन्होंने कहा कि महिला सशक्तीकरण एक क्रमिक प्रक्रिया है, यह कोई तात्कालिक उपलब्धि नहीं है। उन्होंने कहा, केंद्र और राज्य सरकारों ने सभी क्षेत्रों में महिलाओं के लिए लगातार अवसर पैदा किए हैं, जिससे शासन, प्रशासन और राष्ट्र निर्माण में उनकी भागीदारी सुनिश्चित हुई है। लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि संसदीय समितियां बालिका शिक्षा को प्राथमिकता दे रही हैं, स्वास्थ्य सुविधाओं में सुधार कर रही हैं व मजबूत-सशक्त भविष्य सुनिश्चित करने के लिए वित्तीय स्वतंत्रता को सक्षम बना रही हैं।

शाह ने वीर सावरकर परिसर का उद्घाटन किया, कहा अहमदाबाद भारत की 'खेल राजधानी' बनेगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अहमदाबाद/भाषा। गृह मंत्री अमित शाह ने भरोसा जताया कि नरेंद्र मोदी क्रिकेट स्टेडियम, निर्माणाधीन सरदार पटेल खेल परिसर और विश्व स्तरीय वीर सावरकर खेल परिसर जैसी उत्कृष्ट सुविधाओं से अहमदाबाद देश की 'खेल राजधानी' बनेगा। शाह ने रविवार को वीर सावरकर परिसर का उद्घाटन करने के बाद कहा कि 2036 तक 13 अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट की मेजबानी करके अहमदाबाद को सिर्फ गुजरात में ही नहीं बल्कि पूरे भारत में खेलों का केंद्र बनाने की तैयारी चल रही है।

शाह ने महान स्वतंत्रता सेनानी वीर सावरकर के नाम पर रखे गए परिसर का उद्घाटन करने के बाद कहा, अहमदाबाद हमारे देश की खेल राजधानी बनने जा रहा है। दुनिया का सबसे बड़ा नरेंद्र मोदी क्रिकेट स्टेडियम मोटेरा में है, उसके बगल में सैकड़ों एकड़ में सरदार पटेल खेल परिसर बनाया जा रहा है और अब वीर सावरकर खेल परिसर। ये सभी अहमदाबाद में हैं। 2029 के विश्व पुलिस एवं अग्निशमन खेल यहीं आयोजित किए जाएंगे जबकि अहमदाबाद में (2030) राष्ट्रमंडल खेलों के आयोजन की मंजूरी मिलने की पूरी संभावना है (जिसके लिए भारत ने अपनी बोली प्रस्तुत की है)।

स्पाइसजेट बड़ी संख्या में कर्मचारियों के वेतन भुगतान में देरी कर रही: सूत्र

मुंबई/भाषा। किफायती एयरलाइन स्पाइसजेट पिछले कुछ महीनों से अपने कई कर्मचारियों के वेतन भुगतान में देरी कर रही है। एक सूत्र ने यह जानकारी दी। स्पाइसजेट के 55,000 रुपए प्रति माह तक वेतन पाने वाले कर्मचारियों को अगस्त का वेतन मिल गया है, जबकि बाकी कर्मचारियों को अभी तक भुगतान नहीं किया गया है। सूत्र ने कहा, स्पाइसजेट ने एक बार फिर अपने कर्मचारियों के वेतन भुगतान में देरी शुरू कर दी है। जहां 55,000 रुपए प्रति माह तक वेतन पाने वाले कर्मचारियों को समय पर भुगतान किया जा रहा है, वहीं बाकी कर्मचारी को 10-15 दिनों की देरी से भुगतान किया जा रहा है। देरी से वेतन पाने वालों में ज्यादातर सहायक प्रबंधक और उससे ऊपर के कर्मचारी हैं। स्पाइसजेट ने इस मुद्दे पर भेजे गए प्रश्न का उत्तर नहीं दिया। वित्त वर्ष 2024-25 की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार गुरुग्राम स्थित स्पाइसजेट में कुल 6,484 कर्मचारी थे। इनमें 4,894 स्थायी कर्मचारी शामिल थे।

■ आश्विन कृष्णा - 8 ■ संवत 2082 ■ वर्ष - 21 ■ अंक - 53 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » सोमवार » 15-09-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 'विकसित भारत' के दृष्टिकोण में महिलाओं की भूमिका महत्वपूर्ण

6 विश्वेश्वरैया का सपना और आज की सफलता

7 भाजपा दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी : नड्डा

फर्स्ट टेक

पूर्वोत्तर के कुछ हिस्सों में 5.8 तीव्रता का भूकंप

गुवाहाटी/भाषा। देश के पूर्वोत्तर क्षेत्र के कुछ हिस्सों में रविवार को 5.8 तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस किए गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि किसी भी तरह के जान-माल के नुकसान की तत्काल कोई सूचना नहीं मिली है। अधिकारियों ने बताया कि भूकंप रविवार शाम 4.41 बजे आया और इसका केंद्र उदालगुड़ी जिले में था। भूकंप पांच किलोमीटर की गहराई में आया। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, भूकंप का केंद्र उदालगुड़ी के पास था। अभी तक किसी तरह का बड़ा नुकसान या जानमाल की कोई खबर नहीं है। हम स्थिति पर सक्रियता से नज़र रख रहे हैं।

घात लगाकर हमला, कम से कम 14 नाइजीरियाई सैनिक मारे गए

अबुजा/एपी। सैन्य शासित नाइजर क्षेत्र में उग्रवादियों द्वारा घात लगाकर किए गए हमले में कम से कम 14 सैनिक मारे गए। देश के रक्षा मंत्री ने एक बयान में यह बात कही। पश्चिम अफ्रीकी देश में बढ़ते उग्रवादी हमलों की यह नवीनतम घटना है। सरकारी आरटीएन टेलीविजन द्वारा शनिवार देर रात प्रसारित बयान में कहा गया कि यह हमला बुधवार को तिलाबेरी क्षेत्र में हुआ। रक्षा मंत्री सलीफौ मोडी ने हमले में शामिल संदिग्ध समूह का नाम नहीं बताया। नाइजर में कई उग्रवादी समूह सक्रिय हैं जो नागरिकों और सेना को निशाना बनाते हैं, जिनमें इस्लामिक स्टेट समूह से संबद्ध एक संगठन भी शामिल है।

लखनऊ में उड़ान ऐन वक्त पर रद्द की गई

लखनऊ/भाषा। लखनऊ के चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के रनवे पर दिल्ली जाने के लिए तैयार खड़े इंडिगो के एक विमान को शनिवार को उड़ान भरने के बमुश्किल दो सेकंड बाद ही रद्द करना पड़ा। खबरों के अनुसार, विमान में 171 यात्री और चालक दल के छह सदस्य सवार थे। सूत्रों ने बताया कि यात्रियों में समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव की पत्नी और मैनपुरी से सांसद डिंपल यादव भी शामिल थीं। उड़ान संख्या 6ई2111 के यात्रियों में शामि अमित सिंह ने शनिवार को 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 6ई2111 की उड़ान दो सेकेंड के भीतर रनवे पर रद्द कर दी गई। फिर से तकनीकी समस्या जिम्मेदार बताई जा रही है। भारत में उड़ान भरना दिन-ब-दिन चिंताजनक होता जा रहा है। इस बीच, विमानन कंपनी के सूत्रों ने बताया, 13 सितंबर को लखनऊ से दिल्ली जाने वाली इंडिगो की उड़ान संख्या 6ई2111 ने शुरुआती 'टेकऑफ रोल' के दौरान तकनीकी खराबी आने के कारण उड़ान रोक दी।

भारतीय सेना के बजाय आतंकवादियों का समर्थन कर रही है कांग्रेस : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मंगलदोई (असम)/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस देश की सेना का समर्थन करने के बजाय पाकिस्तान द्वारा पोषित आतंकवादियों का समर्थन कर रही है। मोदी ने असम में दरांग जिले के मंगलदोई में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कांग्रेस पर घुसपैठियों और राष्ट्र-विरोधी ताकतों को संरक्षण देने का आरोप लगाया।

प्रधानमंत्री ने जोर देकर कहा कि भाजपा घुसपैठियों को जमीन हड़पने नहीं देगी और न ही जनसांख्यिकी बदलने की उनकी साजिश को कामयाब होने देगी।

मोदी ने एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, कांग्रेस भारतीय सेना का समर्थन करने के बजाय पाकिस्तान द्वारा पाले गए आतंकवादियों का समर्थन करती है। कांग्रेस 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान पाकिस्तान में

■ घुसपैठियों को जमीन हड़पने नहीं देगी सरकार और न ही जनसांख्यिकी बदलने की उनकी साजिश को कामयाब होने देगी।

आतंकवादी ढांचे को नष्ट करने वाले हमारे सशस्त्र बलों का समर्थन करने के बजाय घुसपैठियों और राष्ट्र-विरोधी ताकतों को बचाने में लगी रही।

मोदी ने कहा कि मां कामाख्या के आशीर्वाद से ही 'ऑपरेशन सिंदूर' सफल हुआ है और इस पावन भूमि पर आकर उन्हें गौरव महसूस हो रहा है।

प्रधानमंत्री ने दावा किया कि असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शनिवार रात उन्हें एक वीडियो दिखाया था, जिसमें कांग्रेस के एक पूर्व अध्यक्ष यह कहते हुए दिखाई दे रहे थे कि 'भाजपा गायकों और नर्तकों का सम्मान कर रही है'। मोदी ने कहा कि कांग्रेस नेता की यह टिप्पणी 2019 में भाजपा द्वारा भूपेन हजारिका को भारत रत्न दिए जाने के बाद की गई थी।

प्रधानमंत्री ने दावा किया, 1962 में चीन के आक्रमण के दौरान जवाहरलाल नेहरू द्वारा असम के लोगों को दिए गए घाव अब तक भरे नहीं हैं और भूपेन हजारिका का यह अपमान घाव पर नमक छिड़कने जैसा है।

मोदी ने कहा, भूपेन दा के इस अपमान से मुझे बहुत दुख हुआ लेकिन जनता मेरी मालिक है और वही जवाब देगी कि इस महान गायक को भारत रत्न देकर भाजपा ने सही किया या गलत।

प्रधानमंत्री ने कहा कि लोगों को कांग्रेस से भी पूछना चाहिए कि उसके नेताओं ने 'भूपेन हजारिका जैसे दिग्गज का अपमान' क्यों किया। उन्होंने कहा कि भाजपा की 'डबल इंजन' सरकार भारत रत्न भूपेन हजारिका जैसे असम के महान सपूतों के सपनों को साकार करने के लिए प्रतिबद्ध है। 'डबल इंजन' शब्द का प्रयोग केंद्र के साथ-साथ उन राज्यों के लिए किया जाता है, जहां-जहां भाजपा की सरकार है।

वक्फ (संशोधन) अधिनियम : उच्चतम न्यायालय आज सुनाएगा अंतरिम आदेश

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय सोमवार को तीन प्रमुख मुद्दों पर अपना अंतरिम आदेश सुनाएगा, जिसमें ''अदालतों द्वारा वक्फ, उपयोगकर्ता द्वारा वक्फ या विलेख द्वारा वक्फ'' घोषित संपत्तियों को गैर-अधिसूचित करने की शक्ति शामिल है। ये बिंदु वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 की वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं की सुनवाई के दौरान सामने आये थे। प्रधान न्यायाधीश बी आर गवई की अध्यक्षता वाली पीठ ने वक्फ मामले में दोनों पक्षों को सुनने के बाद 22 मई को इन मुद्दों पर अंतरिम आदेश सुरक्षित रख लिया था। उच्चतम न्यायालय की वेबसाइट पर अपलोड की गई 15 सितंबर की वाद सूची के अनुसार, अदालत इस मामले में अपना आदेश सुनाएगी। अंतरिम आदेश सुरक्षित रखने से पहले, पीठ ने संशोधित वक्फ कानून को चुनौती देने वाले याचिकाकर्ताओं के वकीलों और केंद्र की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता की दलीलें लगातार तीन दिनों तक सुनी थीं।

हिंदी दिवस पर अमित शाह की अपील: सभी भारतीय भाषाओं का करें सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को हिंदी दिवस की शुभकामनाएं दीं और सभी से सभी भारतीय भाषाओं का सम्मान करने तथा एक आत्मनिर्भर, आत्मविश्वासी व विकसित देश बनाने की दिशा में आगे बढ़ने का आह्वान किया। शाह ने कहा कि हिमालय की ऊंचाइयों से लेकर दक्षिण के विशाल समुद्र तटों तक, रेगिस्तान से लेकर बीहड़ जंगलों और गांव की चौपालों तक, भाषाओं ने हर परिस्थिति में मनुष्य को संगठित रहने और संवाद एवं अभिव्यक्ति के माध्यम से एकजुट होकर आगे बढ़ने का मार्ग दिखाया है। उन्होंने कहा कि भारतीय भाषाओं की सबसे बड़ी ताकत यह है कि उन्होंने हर वर्ग और समुदाय को अभिव्यक्ति का अवसर दिया है। उन्होंने हिंदी दिवस के अवसर पर एक संदेश में कहा, हमारा देश मूलतः एक भाषा-प्रधान देश है। हमारी भाषाएं सदियों संस्कृति, इतिहास, परंपराओं, ज्ञान, विज्ञान, दर्शन और अध्यात्म को पीढ़ी-दर-पीढ़ी आगे बढ़ाने का सशक्त माध्यम रही हैं।

हिंदी दिवस की शुभकामनाएं देते हुए, गृह मंत्री ने कहा कि उन्हें दृढ़ विश्वास है कि भाषाएं एक-दूसरे की साथी बनकर और एकता के सूत्र में बंधकर एकसाथ आगे बढ़ रही हैं। उन्होंने कहा, हिंदी दिवस के इस अवसर पर, आइए हम हिंदी समेत सभी भारतीय भाषाओं का सम्मान करें और एक आत्मनिर्भर, आत्मविश्वासी तथा विकसित भारत की ओर आगे बढ़ें।

शाह ने कहा कि ''साथ चलें, साथ सोचें और साथ बोलें'' भारत की भाषाई-सांस्कृतिक चेतना का मूल मंत्र रहा है।

प्रधानमंत्री ने लोगों को बधाई दी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को देशवासियों को हिंदी दिवस की शुभकामनाएं दीं और उनसे हिंदी सहित सभी भारतीय भाषाओं को समृद्ध बनाने व उन्हें गर्व के साथ आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाने का संकल्प लेने का आग्रह किया। मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, आप सभी को हिंदी दिवस की अनंत शुभकामनाएं। हिंदी केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि हमारी पहचान और संस्कारों की जीवंत धरोहर है। इस अवसर पर आइए, हम सब मिलकर हिंदी सहित सभी भारतीय भाषाओं को समृद्ध बनाने और उन्हें आने वाली पीढ़ियों तक गर्व के साथ पहुंचाने का संकल्प लें। उन्होंने कहा, विश्व पटल पर हिंदी का बढ़ता सम्मान हम सबके लिए गर्व और प्रेरणा का विषय है।

टेक्सास में गवर्नर ने शरिया कानून पर प्रतिबंध की घोषणा की

ह्यूस्टन/भाषा। टेक्सास के गवर्नर ग्रेग एबॉट ने कहा है कि उनके प्रांत ने इस्लामी शरिया कानून के क्रियान्वयन पर प्रतिबंध लगा दिया है और निवासियों से व्यवसायों या व्यक्तियों पर शरिया अनुपालन थोपने के किसी भी प्रयास की सूचना देने का आग्रह किया। एबॉट की यह टिप्पणी ह्यूस्टन का एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आने के बाद आई है, जिसमें एक मुस्लिम धर्मगुरु लाउडस्पीकर के माध्यम से दुकानदारों से शराब, सूअर का मांस या लॉटरी टिकट नहीं बेचने का आग्रह करते हुए दिख रहा है। गवर्नर ने इस घटना को उत्पीड़न बताया और कहा कि टेक्सास सार्वजनिक जीवन में धार्मिक आचार संहिता लागू करने के प्रयासों को बर्दाश्त नहीं करेगा। एबॉट ने मंगलवार को 'एक्स' पर पोस्ट किया, मैंने टेक्सास में शरिया कानून और शरिया कानूनी प्रक्रिया पर प्रतिबंध लगाने वाले कानून पर हस्ताक्षर किए हैं। किसी भी व्यवसाय और किसी भी व्यक्ति को ऐसे मूर्खों से डरना नहीं चाहिए। उन्होंने कहा, यदि यह व्यक्ति या कोई भी व्यक्ति शरिया अनुपालन थोपने का प्रयास करता है, तो इसकी सूचना स्थानीय कानून प्रवर्तन या टेक्सास लोक सुरक्षा विभाग को दें।

टेक्सास में औपचारिक रूप से शरिया प्रतिबंध नहीं है, लेकिन अमेरिकी अदालतों के लिए 2017 का अमेरिकी कानून विधेयक, अदालतों को शरिया सहित किसी भी विदेशी या धार्मिक संहिता को लागू करने से रोकता है, यदि उसका अमेरिकी कानून के साथ टकराव है।

सबकी भविष्यवाणियां झूठी साबित करके लगातार आगे बढ़ रहा भारत : भागवत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंदौर (मध्यप्रदेश)/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने रविवार को कहा कि 'ज्ञान, कर्म और भक्ति की संतुलित त्रिवेणी' के पारंपरिक दर्शन पर श्रद्धा रखने की बदौलत भारत सबकी भविष्यवाणियां झूठी साबित करके लगातार आगे बढ़ रहा है। उन्होंने यह बात ऐसे

वक्त कही जब देश की आर्थिक वृद्धि दर चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में उम्मीद से बेहतर 7.80 प्रतिशत रही है। अमेरिका की ओर से भारी शुल्क लगाए जाने से पहले की पांच तिमाहियों में यह सबसे अधिक है। भागवत ने मध्यप्रदेश के काबीना मंत्री प्रह्लाद सिंह पटेल की पुस्तक 'परिक्रमा कृपा सार' का इंदौर में विमोचन किया।

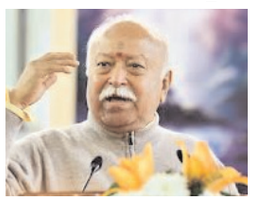

संघ प्रमुख ने इस मौके पर आयोजित समारोह में कहा कि भारतीय नागरिकों के पूर्वजों ने अनेक पंथ-संप्रदायों के माध्यम से कई रास्ते दिखाकर सबको बताया है कि ज्ञान, कर्म और भक्ति की संतुलित त्रिवेणी जीवन में कैसे बहाई जाती है।

भागवत ने कहा कि भारत जीवन जीने के इस पारंपरिक दर्शन पर आज भी श्रद्धा रखता है, इसलिए सबकी भविष्यवाणियां झूठी साबित करके देश विकास के पथ पर लगातार आगे बढ़ रहा है।

संघ प्रमुख ने कहा,(ब्रिटेन के तत्कालीन प्रधानमंत्री) विंस्टन चर्चिल ने एक बार कहा था कि (ब्रितानी शासन से) स्वतंत्र होने पर तुम (भारत) टिक नहीं सकोगे और बंट जाओगे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। अब खुद इंग्लैंड बंटने की स्थिति में आ रहा है, पर हम नहीं बंटेगे। हम आगे बढ़ेंगे।

संसद के शीतकालीन सत्र में पेश हो सकता है बीमा संशोधन विधेयक

नई दिल्ली/भाषा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा है कि बीमा क्षेत्र में 100 प्रतिशत प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) की अनुमति देने वाला बीमा संशोधन विधेयक संसद के आगामी शीतकालीन सत्र में पेश किए जाने की संभावना है।

संसद का शीतकालीन सत्र आमतौर पर नवंबर के उत्तरार्ध में शुरू होता है और क्रिसमस से पहले समाप्त होता है।

जब उनसे पूछा गया कि क्या बीमा क्षेत्र में एफडीआई को और उदार बनाने वाला विधेयक आगामी शीतकालीन सत्र में संसद में पेश किया जा सकता है, तो उन्होंने पीटीआई-भाषा से कहा, मुझे उम्मीद है।

वित्त मंत्री ने इस साल के बजट भाषण में, नई पीढ़ी के वित्तीय क्षेत्र सुधारों के तहत बीमा क्षेत्र में विदेशी निवेश की सीमा को मौजूदा के 74 प्रतिशत से बढ़ाकर 100 प्रतिशत करने का प्रस्ताव रखा था। उन्होंने कहा, यह बढ़ी हुई सीमा उन कंपनियों के लिए उपलब्ध होगी जो अपना पूरा प्रीमियम भारत में निवेश करती हैं।

विरोध प्रदर्शन

विपक्षी दलों ने रविवार को दुबई में हो रहे भारत-पाकिस्तान एशिया कप क्रिकेट मैच के खिलाफ देशभर में विरोध प्रदर्शन किया, नारे लगाए और लोगों से मैच का बहिष्कार करने का आग्रह किया।

यूक्रेन ने रूस की शीर्ष तेल रिफाइनरी पर ड्रोन हमला किया

मॉस्को/एपी। यूक्रेन ने बीती रात रूस की सबसे बड़ी तेल रिफाइनरियों में से एक पर भीषण ड्रोन हमला किया, जिससे आग लग गई। रूसी और यूक्रेनी अधिकारियों ने इसकी पुष्टि की। रूस के उत्तर-पश्चिमी लेनिनग्राद क्षेत्र में स्थित किरिशी रिफ़ाइनरी पर बीती रात हुए इस हमले से हफ्तों पहले भी यूक्रेन ने रूसी तेल अवसंरचना को निशाना बनाया था। रूस की प्रमुख तेल कंपनी सर्गुतनेफ्तेगास द्वारा संचालित संबंधित प्रतिष्ठान हर वर्ष लगभग 1.77 करोड़ मीट्रिक टन अर्थात प्रतिदिन 3,55,000 बैरल कच्चे तेल का उत्पादन करता है। रूस द्वारा यूक्रेन के खिलाफ बड़े पैमाने पर आक्रमण की शुरुआत किए जाने के तीन साल से भी ज़्यादा समय बाद ड्रोन दोनों पक्षों के लिए एक अहम हथियार बनकर उभरे हैं। बुधवार को कई रूसी ड्रोन पोलैंड में घुस गए थे, जिसके बाद नाटो ने उन्हें मार गिराने के लिए लड़ाकू विमान भेजे। इससे लंबे समय से चली आ रही इस चिंता को और बल मिला कि यह लड़ाई यूक्रेन की सीमाओं से आगे भी फैल सकती है। यूक्रेन के जनरल स्टाफ के अनुसार, घटनास्थल पर विस्फोट और आग लगने की सूचना मिली है। उन्होंने एक तस्वीर पोस्ट की, जिसमें रात के समय आसमान में आग की ऊंची लपटें और धुएं का गुबार दिखाई देता है। क्षेत्रीय गवर्नर अलेक्जेंडर ड्रोज़्डेंको ने बताया कि किरिशी इलाके में रात भर में तीन ड्रोन गिराए गए, जिसके मलबे से प्रतिष्ठान में आग लग गई। उन्होंने कहा कि कोई हताहत नहीं हुआ और आग बुझा दी गई। रूसी रक्षा मंत्रालय के अनुसार, रूस अधिकृत क्रीमिया और निकटवर्ती आज़ोव सागर के ऊपर रात भर में कम से कम 80 यूक्रेनी ड्रोन मार गिराए गए।

सूर्यास्त 15-09-2025	सूर्योदय 16-09-2025
6:21 बजे	6:08 बजे

BSE	NSE
81,904.70	25,114.00
(+355.98)	(+108.50)

सोना	चांदी
11,081 रु.	127,055 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

बदले तेवर

वे बने शांति के दूत आज,
जो कभी क्रांति के नायक थे।
वे लगे भटकने खुद विधि से,
जो रह गए कभी विधायक थे।
त्यागी उनने रथ वल्गाएं,
जो खुद गीता के गायक थे।
वे भी अब टिकट जुगाड़ हैं,
जो बिल्कुल ही नालायक थे।।

भारत ने पाकिस्तान को सात विकेट से हराया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दुबई/भाषा। कुलदीप यादव के हुनर और अक्षर पटेल के अनुशासित प्रदर्शन का पाकिस्तान के बल्लेबाजों के पास कोई जवाब नहीं था और भारत ने एशिया कप के एकतरफा मुकाबले में रविवार को चिर प्रतिद्वंद्वी को अपेक्षा के अनुरूप सात विकेट से हरा दिया ।

पहलगाम आतंकी हमले के कारण इस मैच के बहिष्कार की मांग के बावजूद मैदान खचाखच भरा था और 85 प्रतिशत भारतीय प्रशंसक थे जिन्होंने सूर्यकुमार यादव की टीम को पहली गेंद से आखिर पर

पाकिस्तान को दबाव में रखते देखा । वहीं टॉस के समय और मैच खत्म होने के बाद भी पाकिस्तानी टीम से हाथ नहीं मिलाया ।

स्पिनर अक्षर ने चार ओवर में 18 रन देकर दो, कुलदीप ने चार ओवर में 18 रन देकर तीन और वरूण ने चार ओवर में 24 रन देकर एक विकेट लिया । पाकिस्तान का कोई भी बल्लेबाज इस तिकड़ी के सामने टिक नहीं सका और टीम नौ विकेट पर 127 रन ही बना सकी ।

यह जीत मेरी ओर से 'रिटर्न गिफ्ट' है : सूर्यकुमार यादव

भारतीय टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने रविवार को यहां एशिया कप के एकतरफा मुकाबले में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को सात विकेट से हराने के बाद कहा कि यह जीत उनके जन्मदिन पर देशवासियों के लिए 'रिटर्न गिफ्ट' है। भारतीय स्पिनरों में कुलदीप यादव ने तीन, अक्षर पटेल और वरूण चक्रवर्ती ने दो दो विकेट झटके। पाकिस्तान का कोई भी बल्लेबाज इस तिकड़ी के सामने टिक नहीं सका और टीम नौ विकेट पर 127 रन ही बना सकी । जवाब में भारत ने 15 . 5 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया । सूर्यकुमार ने कहा, '' यह जीत सुखद अहसास है और यह जीत मेरी तरफ से भारत को बेहतरीन 'रिटर्न गिफ्ट' है। मैं हमेशा कोशिश करता हूं कि अंत तक क्रीज पर बना रहूं और आज मैच समाप्त कर खुश हूं। '' उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के साथ खेलना भी किसी अन्य प्रतिद्वंद्वी की तरह ही है।

हिंदी बोलने में संकोच नहीं, बल्कि गर्व का अनुभव करना चाहिए : बैरवा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने कहा कि हिंदी संवाद की भाषा ही नहीं बल्कि भारतीयता का गौरव और हमारी सांस्कृतिक धरोहर है। भारतीय सभ्यता, संस्कृति और संस्कारों की अविरल धारा को जीवंत एवं सुरक्षित रखने में हिंदी की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उन्होंने कहा कि हिंदी बोलने में संकोच नहीं बल्कि गर्व का अनुभव करना चाहिए। उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा रविवार को एसएमएस चिकित्सा महाविद्यालय के सभागार में आयोजित राज्य स्तरीय हिंदी दिवस समारोह में बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने सभी से हिंदी के वैश्विक विकास और पहचान के लिए अपने जीवन के प्रत्येक कार्य, व्यवहार और प्रशासनिक गतिविधियों में हिंदी का अधिक से अधिक प्रयोग करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि आधुनिक युग में तकनीक और डिजिटल माध्यमों का उपयोग कर हिंदी को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर और भी सशक्त बनाया जा सकता है।

उपमुख्यमंत्री डॉ. बैरवा ने कहा कि बाबासाहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर भी हिंदी को राष्ट्र की एकता और संपर्क की भाषा के रूप में मानते थे। उनका विचार था कि भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में एक ऐसी भाषा होनी चाहिए जो सबको जोड़कर राष्ट्रीय एकता को मजबूत करे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी वैश्विक मंचों पर अधिकतर हिंदी भाषा में ही अपने भाषण देते है, जिससे अन्य देशों में भी हिंदी बोलने का प्रचलन बढ़ा है और हिंदी को विश्व में अलग पहचान मिली है।

समारोह के मुख्य वक्ता यूनिवर्सल एम्बेसडर आइकैन डॉ बालेन्दु शर्मा दाधीच ने हिंदी के प्रचार-प्रसार में कृत्रिम बुद्धिमत्ता अर्थात आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का उपयोग और उसकी उपयोगिता पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने कहा कि आज के डिजिटल युग में हमारी मातृभाषा हिंदी को हमें तकनीक से जोड़ना अनिवार्य है।

इसमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। उन्होंने कहा कि एआई आधारित अनुवाद उपकरण अब हिंदी को अन्य भाषाओं में और अन्य भाषाओं को हिंदी में तुरंत अनुवाद करने में सक्षम है। स्पीच टू टेक्स्ट और टेक्स्ट टू स्पीच तकनीक से हिंदी में बोलकर लिखना और लिखकर सुनाना बेहद आसान हो गया है।

डॉ. शर्मा ने बताया कि चैटबॉट्स और वर्चुअल असिस्टेंट्स अब हिंदी में संवाद कर पा रहे हैं, जिससे आमजन के लिए हिंदी में नई तकनीक का उपयोग करना सुलभ हुआ है। उन्होंने एआई से हिंदी को भारत के साथ विश्व पटल पर भी एक सशक्त भाषा बनाने पर जोर दिया। सोशल मीडिया, ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म और सरकारी सेवाओं में हिंदी को बढ़ावा देने में एआई बड़ी भूमिका निभा सकता है। कार्मिक विभाग के शासन सचिव के. के पाठक ने भी हिंदी भाषा की साहित्यिक एवं समृद्ध संस्कृति पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा हिन्दी के विकास में स्वदेशी और वैज्ञानिक चिंतन आवश्यक है हिंदी की संस्कृति इतनी विराट रही है कि किसी एक विधा में इसे समेटा नहीं जा सकता।

स्कूल शिक्षा, भाषा एवं पुस्तकालय विभाग के शासन सचिव कृष्ण कुणाल ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा हिंदी भाषा के प्रचार, उपयोग और सुविधाओं के विस्तार के लिए गंभीरता से कदम उठाये जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि विभाग द्वारा मंडल, जिला एवं पंचायत समिति स्तर के कुल 264 पुस्तकालयों के नवीन भवनों का निर्माण करवाया जा चुका है। राज्य के दस सार्वजनिक पुस्तकालयों में दृष्टिबाधित पाठकों के लिए ब्रेल बुक्स, डेजी बुक्स व कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर उपलब्ध करवा कर विशेष अध्ययन कक्ष की सुविधा उपलब्ध करायी गयी है।

शासन सचिव ने बताया कि 33 जिला मुख्यालयों पर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले छात्र-छात्राओं के विशेष अध्ययन के लिए सावित्री बाई फुले वाचनालय स्थापित कर वहां पर्याप्त मात्रा में प्रतियोगी साहित्य उपलब्ध कराया गया है। इसी योजना को विस्तारित करते हुए प्रथम चरण में 100 पंचायत समिति मुख्यालयों पर भी सावित्री बाई फुले वाचनालय शुरू किये गये हैं।

सार्वजनिक पुस्तकालयों में उपलब्ध पुस्तकों के डिजिटलीकरण की सुविधा हेतु विभाग द्वारा पुस्तकालयों में उपलब्ध कुल 22 लाख 64 हजार 353 में से 13 लाख 98 हजार 668 पुस्तकों की कम्प्यूटर में डाटा एन्ट्री का कार्य किया जा चुका है।

निष्पक्ष चुनाव नहीं हुए तो लोकतंत्र को खतरा : अशोक गहलोत

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने लोगों से कांग्रेस पार्टी के 'वोट चोर गद्दी छोड़' अभियान को कामयाब बनाने की अपील करते हुए शनिवार को कहा कि देश में निष्पक्ष चुनाव नहीं हुए तो लोकतंत्र को खतरा है। उन्होंने यहां पार्टी की एक बैठक के बाद मीडिया से बातचीत में यह बात कही। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रदेश कांग्रेस समितियों से कहा है कि वे तमाम लोगों के साथ बैठक करें, इस बात के लिए हस्ताक्षर अभियान चलाएं कि वोट की चोरी किस प्रकार हो रही है और अगर वोट की चोरी होगी, निष्पक्ष चुनाव कभी हो नहीं पाएंगे।

गहलोत ने कहा,देश में निष्पक्ष चुनाव नहीं होंगे तो लोकतंत्र को खतरा है। लोकतंत्र को बचाना हर नागरिक का कर्तव्य है। अगर वोट चोरी नहीं रुकी, निष्पक्ष चुनाव नहीं हुए, वोट का अधिकार चला जाएगा। गहलोत ने कहा,आम आदमी की जिम्मेदारी है कि वह अपने वोट के अधिकार को बचाने के लिए इस अभियान से जुड़े और उसे सफल बनाये।'' राजस्थान में कांग्रेस 'वोट चोर-गद्दी छोड़' अभियान के तहत 15 सितम्बर से 15 अक्टूबर तक हस्ताक्षर अभियान चलाएगी। राजस्थान विधानसभा के सदन में विपक्ष की तरफ अतिरिक्त कैमरे लगाए जाने के मुद्दे पर गहलोत ने कहा कि यह बहुत गंभीर मामला है और इसकी जांच होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि राज्यपाल को इस मामले की जांच करवानी चाहिए।

भीषण कार हादसे में खत्म हो गए दो परिवार; सात लोगों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जयपुर में शनिवार देर रात एक कार अनियंत्रित होकर रिंग रोड से नीचे पानी से भरे अंडरपास में गिर गई। हादसे में कार में सवार दो बच्चों समेत सात लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने रविवार को बताया कि मारे गए लोग दो परिवारों के सदस्य हैं। अधिकारियों ने बताया कि यह दुर्घटना शिवदासपुरा थाना क्षेत्र में प्रह्लादपुरा के पास हुई। एक तेज रफ्तार कार संभवत: डिवाइडर से टकराकर रिंग रोड से लगभग 16 फुट नीचे जा गिरी। कार एक अंडरपास में गिरी जिसमें पानी भरा हुआ था।

स्थानीय लोगों ने रविवार दोपहर दुर्घटनाग्रस्त कार को पानी से भरे अंडरपास में उलटी पड़ी देखा। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और क्रेन की मदद से कार को बाहर निकाला। शिवदासपुरा के थानाधिकार सुरेंद्र सैनी ने कहा, कार में सवार सभी सात लोग मृत पाए गए। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मृतकों की पहचान वाटिका सांगानेर निवासी रामराज वैष्णव, उनकी पत्नी मधु, उनके बेटे रुद्र के रूप में हुई है। इसके अलावा रामराज के रिश्तेदार कालूराम, कालूराम की पत्नी सीमा, उनके बेटे रोहित और गजराज की भी हादसे में मौत हो गई जो केकड़ी अजमेर के रहने वाले थे। सैनी ने बताया कि ऐसा लगता है कि हादसा शनिवार देर रात हुआ। हालांकि सही समय का पता नहीं चल पाया है। उन्होंने आगे कहा, हादसे का पता तो रविवार दोपहर को चला जब दुर्घटनाग्रस्त कार अंडरपास में दिखी। पुलिस के अनुसार टैक्सी चालक रामराज, कालूराम और उनके परिवार के सदस्य एक रिश्तेदार की अस्थियां विसर्जित करने हरिद्वार गए थे और जयपुर लौट रहे थे।

टेरा कोटा क्राफ्ट की मास्टर ट्रेनिंग के लिए दल उत्तरप्रदेश रवाना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान श्रीयादे माटी कला बोर्ड ने चयनित माटी कलाकारों को प्रशिक्षण देने वाले प्रशिक्षकों के हुनर को तराशने के लिए उत्तरप्रदेश के खुर्जा स्थित सेंट्रल ग्लास एंड सेरामिक्स रिसर्च इंस्टीट्यूट (सीजीसीआरआई) भेजा है। बोर्ड के अध्यक्ष प्रहलाद राय टाक ने रविवार को यहां उद्योग भवन से अपने प्रशिक्षकों को और अधिक पारंगत करने के लिए 25 सदस्यीय दल के एक वाहन को हरी झंडी दिखाकर खुर्जा के लिए रवाना किया। यह दल खुर्जा में 15 से 21 सितंबर तक खासकर टेरा कोटा पॉटरी का प्रशिक्षण लेगा। इस दल में प्रदेश के छह जिलों जयपुर, टोंक, अजमेर, जैसलमेर, करौली एवं श्रीगंगानगर के प्रशिक्षक खुर्जा गए हैं। टाक ने बताया कि इन प्रशिक्षकों को सात दिवसीय कैंप में टेराकोटा प्रसंस्करण एवं लक्षण वर्णन की मास्टर ट्रेनिंग दी जाएगी। इस दौरान उन्हें कलाकृतियों के निर्माण के लिए मिट्टी तैयार करने, गूंथने, कलाकृति बनाने, पकाने, रंग-रोगन करने का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके बाद जल्द ही एक और दल को प्रशिक्षण के लिए खुर्जा भेजा जाएगा। प्रशिक्षण के बाद यह प्रशिक्षक प्रदेशभर में चयनित दो हजार मिट्टी कलाकारों को कैंपों में जाकर प्रशिक्षित करेंगे। इसके लिए सभी जिलों में सौ कैंप लगाए जाएंगे। उन्होंने बताया कि इस महीने के अंत तक एक हजार मशीनों का वितरण किया जायेगा

उदयपुर में नाइट ट्यूरिज्म और वाटर शो की संभावनाओं पर किया जाए काम : दीया कुमारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। प्रदेश की उपमुख्यमंत्री तथा वित्त, पर्यटन, सार्वजनिक निर्माण, कला, संस्कृति, साहित्य, और पुरातत्व, महिला एवं बाल विकास, बाल अधिकारिता मंत्री दिया कुमारी ने रविवार को उदयपुर प्रवास के दौरान कलक्ट्रेट सभागार में समीक्षा बैठक ली। बैठक में विभिन्न बजट घोषणाओं, विभागीय योजनाओं आदि की प्रगति की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। सार्वजनिक निर्माण विभाग, पर्यटन विभाग तथा महिला एवं बाल विकास की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि विकास कार्यों को समय पर गुणवत्ता के साथ पूर्ण कराएं तथा जहां आवश्यक हो वहां विशेषज्ञों की भी सेवाएं ली जाएं। उन्होंने जिले में गारंटी अवधि की सड़कों को संवेदकों के माध्यम से समय पर दुरूस्त कराने तथा नहीं होने पर संबंधितों के खिलाफ कार्यवाही करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने उदयपुर में सिंगापुर और दुबई की तर्ज पर वाटर बॉडीज पर लाइट एण्ड साउण्ड शो अथवा वाटर शो की संभावनाएं तलाशने के निर्देश दिए। उन्होंने जनजाति एवं दुरस्त क्षेत्रों से अन्य राज्यों में माइग्रेट होने वाले आंगनवाड़ी के बच्चों को संबंधित राज्य के आंगनवाड़ी केंद्रों से जोड़कर लाभान्वित करने की संभावना पर भी कार्य करने के निर्देश दिए।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि विकास कार्यों में गति लाने के साथ-साथ जनहित की योजनाओं का समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने पर्यटन क्षेत्र में सुधार की संभावनाओं पर भी चर्चा की और महिला एवं बाल विकास विभाग से जुड़े मुद्दों की प्रगति पर विशेष ध्यान देने को कहा। उप मुख्यमंत्री ने उदपपुर जिला कलक्टर एवं जिला प्रशासनिक कार्यप्रणाली की सराहना की और कहा कि जिले में विकास के कार्य द्रुतगति एवं समयबद्ध रूप से संपादित किए जा रहे हैं। उन्होंने निर्देश दिए कि निरंतर समीक्षा एवं समयबद्ध क्रियान्वयन से आमजन का विश्वास और मजबूत बनाने के लिए कार्य किया जाए।

बैठक में उपमुख्यमंत्री ने सार्वजनिक निर्माण विभाग से जुड़े कार्यों की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने विभागीय कार्यों की मोनिटरिंग के लिए अपनाए गए सेवा ऐप से जिला प्रशासन को भी जोड़ने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि वर्तमान में सिर्फ विभाग के अधिकारी जुड़े हुए हैं। जिला प्रशासन के जुड़ने से धरातल स्तर पर कामों की बेहतर मोनिटरिंग हो सकेगी। उन्होंने बजट घोषणा के कामों की प्रगति जानी। साथ ही गारंटी अवधि की सड़कों के क्षतिग्रस्त होने पर उन्हें संवेदक के माध्यम से यथाशीघ्र दुरस्त कराने के भी निर्देश दिए। उपमुख्यमंत्री ने बारिश के दौरान क्षतिग्रस्त हुई सभी सड़कों की आगामी दीपावली से मरम्मत सुनिश्चित कराने के भी निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने जिला कलक्टर नमित मेहता को विभिन्न विकास कार्यों में वन विभाग की एनओसी से जुड़े इशू को विशेष संज्ञान में रखते हुए निस्तारित कराने के भी निर्देश दिए।

पर्यटन विभाग की समीक्षा के दौरान उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने उदयपुर में नाइट ट्यूरिज्म और वाटर शो की संभावनाओं पर काम किये जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पर्यटन की दृष्टि से उदयपुर देश-विदेश में प्रसिद्ध है।

भारत में आर्थिक विकास के साथ घरेलू पर्यटन में आया ऐतिहासिक उछाल : शेखावत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा है कि भारत में जिस तेजी से आर्थिक प्रगति हो रही है, उसी अनुपात में घरेलू पर्यटन में ऐतिहासिक वृद्धि देखने को मिल रही है। शेखावत यहां मीडिया से रुबरु होते हुए कहा कि अगर महाकुंभ जैसे आयोजनों के आंकड़ों को अलग कर दें, तब भी बीते एक वर्ष में 250 करोड़ यात्राएं दर्ज की गई हैं, जो देश की कुल आबादी से डेढ़ गुना अधिक है। अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों की संख्या भी अब दो करोड़ के करीब पहुंच चुकी है। ये आंकड़े भारत की बदलती वैश्विक छवि, आर्थिक सुदृढ़ता और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में विकसित हो रहे इंफ्रास्ट्रक्चर एवं टूरिज्म इंफ्रास्ट्रक्चर का परिणाम है। उन्होंने कहा कि पिछले 11 वर्षों के कालखंड में डेढ़ लाख किलोमीटर से अधिक सड़कों का निर्माण, नए हवाई अड्डों और रेलवे स्टेशनों का विकास, वंदे भारत और अमृत भारत जैसी आधुनिक ट्रेनों की शुरुआत, इन सभी ने टूरिज्म को गति दी है।

शेखावत ने स्पष्ट किया कि केन्द्र सरकार का लक्ष्य है कि जैसे वैश्विक स्तर पर पर्यटन का योगदान ग्लोबल जीडीपी में दस प्रतिशत है, वैसे ही भारत में भी पर्यटन क्षेत्र का योगदान वर्ष 2047 तक दस प्रतिशत तक पहुंचे। उन्होंने कहा कि हम चाहते हैं कि जब भारत की अर्थव्यवस्था 30 से 40 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचे, तो टूरिज्म का योगदान तीन ट्रिलियन डॉलर हो। इसके लिए सरकार ने अगले पांच वर्षों में 50 आइकॉनिक डेस्टिनेशन्स को विकसित करने का लक्ष्य तय किया है ताकि ओवर टूरिज्म को रोका जा सके और सस्टेनेबल टूरिज्म को बढ़ावा मिले।

उन्होंने बताया कि भारत के पास आज भी लाखों की संख्या में प्राचीन हस्तलिखित पांडुलिपियां मौजूद हैं, जिनमें से कई ताड़पत्र, भोजपत्र, पेड़ की छाल, रेशम के कपड़े या हस्तनिर्मित कागज पर लिखी गई हैं। उन्होंने कहा कि इन पांडुलिपियों में हमारे पूर्वजों का अमूल्य ज्ञान समाहित है, जिसे संरक्षित करना समय की मांग है। इसी उद्देश्य से केंद्र सरकार ने 'ज्ञान भारतम के तहत 'राष्ट्रीय पांडुलिपि मिशन' की शुरुआत की है। इस मिशन के तहत राष्ट्रीय महत्व की सभी पांडुलिपियों का डिजिटलीकरण किया जाएगा और उन्हें कंप्यूटर रीडेबल फॉर्मेट में लाकर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की सहायता से उनका विश्लेषण किया जाएगा।

ज्योतिष महाकुंभ एवं अध्यात्म समारोह का आयोजन जैसलमेर में

जैसलमेर। राजस्थान में प्रसिद्ध पर्यटन नगरी जैसलमेर में 'ज्योतिष महाकुंभ एवं अध्यात्म सम्मान समारोह- 2025' चार से छह अक्टूबर तक आयोजित किया जायेगा। सीता ज्योतिष एवं वास्तु अनुसंधान केंद्र, जोधपुर एवं कृष्णा ज्योतिष शोध संस्थान, जयपुर द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किये जा रहे इस समारोह में देश विदेश से करीब 150 से अधिक प्रमुख ज्योतिषाचार्य और आध्यात्मिक विशेषज्ञ शामिल होंगे। मुख्य वक्ता स्वामी सौरभ राघवेंद्र आचार्य ने रविवार को बताया कि यह कार्यक्रम जैन उत्कर्ष भवन में आयोजित होगा, जिसमें देशभर के प्रकांड ज्योतिषाचार्य आदि जैसलमेर आएंगे। शुक्रवार एवं शनिवार को कार्यक्रम के पोस्टर का विमोचन किया गया एवं अन्य तैयारियां शुरू की गई। आचार्य ने बताया कि इस तीन दिवसीय समागम में भारत के कोने-कोने से आए विशेषज्ञ अपने-अपने क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करेंगे। इसमें शामिल होने वालों में वैदिक ज्योतिष, लाल किताब ज्योतिष, हस्तरेखा शास्त्र, प्रश्न कुंडली, अंक ज्योतिष के विशेषज्ञ शामिल हैं।

पुलिस कांस्टेबल भर्ती परीक्षा में कड़ी जांच के बाद प्रवेश

अलवर। राजस्थान के अलवर में रविवार को निर्धारित पुलिस भर्ती परीक्षा में उम्मीदवारों को कड़ी जांच के बाद ही परीक्षा कक्ष में प्रवेश दिया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार अभ्यर्थियों के परीक्षा केंद्र के बाहर जूते उतरवाए गये। महिलाओं के कान, नाक एवं गले में पहने हुए आभूषण उतरवा लिये गये। आधी आस्तीन की शर्ट पहनकर ही प्रवेश दिया गया। एक-दो मिनट देर से आए अभ्यर्थी परीक्षा से चूक गए। शहर में कई विद्यालयों के केंद्र होने के कारण अभ्यर्थी भ्रम में रहे। कुछ दूसरे केंद्रों पर पहुंच गए और जब वापस सही केंद्र पर आए तब तक देर हो गयी थी। सूत्रों ने बताया कि ऐसा नजारा अलवर शहर के आर्य कन्या स्कूल कंपनी बाग के सामने देखने को मिला। वहीं हसन खां में भी कुछ अभ्यर्थी पहले दूसरे केंद्र पर चले गए थे, इनमें ज्यादातर समय पर आ गए थे। अलवर में 35 परीक्षा केंद्र हैं। जिन पर करीब 20 हजार अभ्यर्थी पंजीकृत हैं। इस बार अलवर में जोधपुर, सीकर सहित कई अन्य जिलों के अभ्यर्थियों के परीक्षा केंद्र आए हैं। जिसका कारण यह भी माना जा रहा है कि कई पुराने केंद्र बंद कर दिए गये हैं। वहां पहले कई भर्ती परीक्षा के पेपर लीक हुए हैं। इन बातों को ध्यान में रखते हुये अलवर में दूसरे जिलों के अभ्यर्थियों के परीक्षा केन्द्र बनाये गये हैं।

इस बार पुलिस की चौकसी भी अधिक है। पुलिस अधीक्षक सुधीर चौधरी ने भी परीक्षा केंद्रों का जायजा लिया। चौधरी ने बताया कि पुलिस भर्ती में छह स्तरों की सुरक्षा है। जयपुर सहित कई अन्य स्थानों के पुलिस अधिकारियों को लगाया गया है। ताकि किसी तरह की कोई गड़बड़ी नहीं हो सके। हर केंद्र पर पर्याप्त संख्या में पुलिस जाब्ता रहा। सुबह साढ़े नौ बजे के बाद प्रवेश द्वार बंद कर दिया गया। जिसके कारण कई केंद्रों पर अभ्यर्थी परीक्षा से वंचित रह गए। पहली पारी की परीक्षा पूर्वाह्न 10 से मध्याह्न 12 बजे तक रही और और दूसरी पारी अपराह्न से पांच बजे तक है।

सिरोही में छोटे से छोटे गांव में बड़े उद्योग स्थापित करने की ताकत : देवासी

जयपुर। ग्रामीण विकास एवं पंचायती, आपदा प्रबंधन, सहायता एवं नागरिक सुरक्षा विभाग के राज्यमंत्री ओटाराम देवासी ने कहा कि सिरोही की महिलाओ को रुमा देवी से प्रेरणा लेकर आगे बढ़ सकती है। उन्होंने कहा कि सिरोही जिले के लघु कुटीर उद्योगो को बढावा देने के लिए राज्य सरकार राजीविका के माध्यम से अवसर उपलब्ध करवा रही है। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य जिले की महिलाओं को संगठित कर उनको उद्यमशीलता के प्रति प्रोत्साहित करना तथा उनके सामने आने वाली चुनौतियों पर चर्चा कर उनको आत्मनिर्भरता की दिशा में नए अवसरों से जोड़ना था।

राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद (राजीविका) की ब्रांड एंबेसडर डॉ. रुमा देवी ने जिला मुख्यालय पर पणिहारी गार्डन में आयोजित महिला सशक्तिकरण संवाद कार्यक्रम की अध्यक्षता के दौरान सभी महिलाओं को संघटित होकर आपसी सहयोग से उद्यमशीलता अपनाने व आत्मनिर्भरता की ओर आगे बढ़ने का आव्हान किया। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कहा की आज की महिलाएं स्वयं सहायता समूह बनाकर, आधुनिक तकनीक व आपसी मदद से छोटे से छोटे गांव में भी बड़े - बड़े उद्योग स्थापित करने की क्षमता रखतीं हैं।

डबल इंजन की सरकार खेल विकास एवं युवा कल्याण के लिए कटिबद्ध : पटेल

जयपुर। संसदीय कार्य, विधि एवं विधिक कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने रविवार को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय फिटकासनी में 69वीं जिला स्तरीय विद्यालयी हॉकी खेल प्रतियोगिता (17 एवं 19 वर्ष छात्रा वर्ग) का विधिवत शुभारंभ किया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। पटेल ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में डबल इंजन की सरकार खेल विकास एवं युवा कल्याण के लिए कटिबद्ध होकर कार्य कर रही है। राज्य सरकार ने खेलो एवं खिलाड़ियों को प्रोत्साहन देने के लिए मिशन ओलंपिक योजना, स्पोर्टस लाइफ इंश्योरेंश स्कीम के तहत अंतर्राष्ट्रीय पदक विजेताओं का 25 लाख रूपये तक का दुर्घटना एवं जीवन बीमा का शुभारंभ किया गया है।

समापन समारोह

रविवार शाम को मंड्या जिले के मालवल्ली तालुका में गगनचुक्की जलप्रपात महोत्सव-2025 के समापन समारोह में उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने संबोधित किया। इस अवसर पर पर्यावरण प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अध्यक्ष मंत्री चालुवरायस्वामी, विधायक नरेंद्रस्वामी, विधायक रवि गनीगा, एमएलसी दिनेश गूलीगौड़ा, कांग्रेस नेता स्टार चंद्रू, मंड्या जिला आयुक्त कुमार और अन्य उपस्थित थे।

सिद्दरामय्या की राजनीतिक विचारधारा सिर्फ हिंदू धर्म, परंपराओं का अपमान करने तक सीमित : विजयेंद्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक भाजपा अध्यक्ष विजयेंद्र येडीयुरप्पा ने रविवार को कहा कि हिंदू धर्म का अपमान करना और धार्मिक आस्था केंद्रों के खिलाफ दुष्प्रचार को बढ़ावा देने वाली कर्नाटक की कांग्रेस सरकार अब एक कदम और आगे बढ़ गई है। वह हिंदू धर्मावलंबियों को धर्मांतरण के लिए उकसा रही है। मुख्यमंत्री द्वारा दिया गया बयान इस बात की पुष्टि करता है।

विजयेंद्र येडीयुरप्पा ने अपने आधिकारिक फेसबुक पेज पर कहा कि गोरक्षा और धर्मांतरण विरोधी कानूनों को निष्क्रिय करने पर पहले से ही विचार कर रही राज्य सरकार ने अब पिछड़ा वर्ग आयोग द्वारा जारी की गई सूची में हिंदू धर्म की जातियों के नाम के साथ 'ईसाई' लिखकर आधिकारिक घोषणा जारी की है। विजयेंद्र येडीयुरप्पा ने कहा कि इस पर सवाल उठाने वाली

भारतीय जनता पार्टी और हिंदू समर्थक संगठनों को उचित स्पष्टीकरण देकर गलती को स्वीकार कर ईसाई' नाम से शामिल की गईं जातियों की सूची को वापस लेने का फैसला घोषित करने के बजाय, मुख्यमंत्री का यह जवाब कि 'अगर हिंदू धर्म में समानता होती, तो लोग दूसरे धर्म में क्यों जाते?' - यह न सिर्फ हिंदू धर्म के प्रति उनकी उपेक्षा और असहिष्णुता को दर्शाता है, बल्कि यह भी स्पष्ट करता है कि वे हिंदू विरोधी मानसिकता रखते हैं। मुख्यमंत्री द्वारा दिया गया यह बयान धर्मांतरण को परोक्ष रूप से बढ़ावा देने जैसा है। विजयेंद्र येडीयुरप्पा ने कहा कि पिछड़ा वर्ग आयोग के माध्यम से सामाजिक और शैक्षिक स्थिति की जानकारी इकट्ठी करने के बजाय, मुख्यमंत्री का धर्मांतरण के नाम पर बात करना संदेहास्पद है, क्योंकि ऐसा प्रतीत होता है कि कांग्रेस ने सामाजिक सर्वेक्षण के नाम पर हिंदू समाज को बांटने का एजेंडा अपनाया है। हिंदू धर्म में असमानता की बात करने वाले मुख्यमंत्री इ... धर्म में मौजूद विरोधाभासों, महिलाओं पर होने वाले अत्याचारों और 'देश से पहले धर्म' की सोच को क्यों नहीं उठाते? क्यों उस पर सवाल नहीं करते?

विजयेंद्र येडीयुरप्पा ने कहा कि जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तीन तलाक रद्द करने वाला कानून लागू किया था, तब मुख्यमंत्री ने उसका स्वागत क्यों नहीं किया? सिद्दरामय्या की राजनीतिक विचारधारा सिर्फ हिंदू धर्म और हिंदू परंपराओं का अपमान करने और अन्य धर्मों को खुश करने तक सीमित है। वे न तो समाजवादी हैं और न ही भारतीय संस्कृति के समर्थक हैं। सनातन धर्म और भारतीय संस्कृति का विरोध करना ही उनकी मानसिकता है, और यही मानसिकता राज्य के प्रशासन पर भी दिखाई दे रही है। इसका प्रतीक यह है कि सरकार की ओर से लगातार हिंदू विरोधी नीतियां सामने आ रही हैं।

मादक पदार्थ तस्करों से संबंध रखने के आरोप में 11 पुलिसकर्मी निलंबित

बेंगलूरु। मादक पदार्थ तस्करों के साथ कथित सांठगांठ के लिए चामराजपेट निरीक्षक टी. मंजन्ना सहित 11 पुलिसकर्मियों को विभागीय जांच लंबित रहने तक निलंबित कर दिया गया है। सूत्रों के अनुसार निलंबित किये गए पुलिसकर्मियों में हेड कांस्टेबल रमेश, कांस्टेबल शिवराज, मधुसूदन, प्रसन्ना, शंकर बेलागली, आनंद और जग जीवनराम नगर पुलिसकर्मी बसवनगुड़ी गौड़ा, कुमार और आनंद शामिल हैं। सूत्रों के अनुसार, इस रैकेट का पर्दाफाश 22 अगस्त को हुआ था, जब राजराजेश्वरी नगर पुलिस ने छह तस्करों को छात्रों समेत ग्राहकों को प्रतिबंधित नशीली गोलियां बेचते हुए पकड़ा था। सूत्रों के अनुसार लगभग 1,000 गोलियां जब्त की गई थीं।

सूत्रों के अनुसार, जांच से पता चला कि आरोपी पुलिसकर्मी तस्करों के साथ नियमित संपर्क में थे, कथित तौर पर हर महीने राशि वसूलते थे और उनके साथ पार्टी भी करते थे। सूत्रों के अनुसार, इसकी वजह से गिरोह पश्चिमी संभाग और उसके आसपास खुलेआम काम करता था।

महिला यात्रियों की सुरक्षा के लिए सफल पहल 'ऑपरेशन मेरी सहेली'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ), दक्षिण पश्चिम रेलवे (एसडब्ल्यूआर) ने नवंबर 2020 में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर शुरू की गई एक समर्पित पहल, 'ऑपरेशन मेरी सहेली' को सफलतापूर्वक क्रियान्वित कर रहा है। यह पहल अकेले यात्रा करने वाली महिला यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए शुरू की गई थी। इस पहल में यात्रियों से प्रतिक्रिया एकत्र करना, जागरूकता अभियान चलाना और चुनिंदा ट्रेनों में महिला अधिकारियों को तैनात करना शामिल है ताकि वे ट्रेन में चढ़ने/उतरने, आपातकालीन स्थितियों से निपटने और समग्र आराम व सुरक्षा सुनिश्चित करने में मदद कर सकें। वर्तमान में, भारतीय रेलवे नेटवर्क में महिला आरपीएफ कर्मियों वाली 250 समर्पित मेरी सहेली टीमें तैनात की जा रही हैं। ये टीमें प्रतिदिन लगभग 500 ट्रेनों में अकेले यात्रा करने वाली लगभग 13,000 महिला यात्रियों की सहायता करती हैं।

दक्षिण पश्चिम रेलवे में आरपीएफ टीमों ने 4,869 ट्रेनों में यात्रा कर रही 2,08,869 अकेली महिला यात्रियों से बातचीत की, उन्हें सहायता प्रदान की और सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित की। वर्तमान में, दक्षिण पश्चिम रेलवे में इस परियोजना के तहत 25 आरपीएफ कर्मियों वाली 10 मेरी सहेली टीमें तैनात हैं।

'मेरी सहेली' ऑपरेशन केतहत महिला यात्रियों को ट्रेनों में सुरक्षित रूप से चढ़ना और उतरना, यात्रा के दौरान जानकारी और सहायता प्रदान करना, किसी भी आपात स्थिति या समस्या का समाधान करना, विश्वास-निर्माण उपायों ने महिला यात्रियों की सुरक्षा की भावना और रेल यात्रा में उनके विश्वास को काफ़ी बढ़ाया है। यात्रा के दौरान अकेली महिला यात्रियों की जानकारी मुख्यालय और मध्यवर्ती स्टेशनों के साथ पहले से साझा की जाती है ताकि मार्ग में जाँच और सहायता की जा सके। प्रभावशीलता का आकलन करने और सुधार लाने के लिए यात्रा के अंत में महिला यात्रियों से नियमित रूप से प्रतिक्रिया ली जाती है।

धारवाड़ में कृषि मेले का उद्घाटन राज्यपाल गहलोत ने किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

धारवाड़। भारत सरकार और कर्नाटक सरकार ने भारतीय कृषि और संबद्ध क्षेत्रों के विकास के लिए कई योजनाएं बनाई हैं, ताकि कृषि को एक लाभदायक व्यवसाय बनाया जा सके और किसानों की आय में वृद्धि हो सके। राज्यपाल थावर चंद गहलोत ने किसानों से इन योजनाओं का लाभ उठाने का आह्वान किया। वे धारवाड़ स्थित कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित कृषि मेला-2025 का उद्घाटन करते हुए बोल रहे थे।

उन्होंने कहा, कृषि क्षेत्र में उद्यमिता और नवाचार के साथ युवाओं और महिलाओं को आगे आने की आवश्यकता है। कृषि-स्टार्टअप, प्रसंस्करण इकाइयाँ, कृषि-पर्यटन और जैविक खेती जैसे क्षेत्र युवाओं को आकर्षित कर रहे हैं। अगर महिलाएँ कृषि में सक्रिय होंगी, तो परिवार की आय और पोषण दोनों में सुधार होगा।

उन्होंने कहा कि भारतीय सभ्यता और संस्कृति की नींव कृषि पर टिकी है। हमारे ऋषियों ने इसे कृषि कर्माणी कहकर धर्म और कर्तव्य दोनों का दर्जा दिया है और किसान को अन्नदाता माना है। उन्होंने कहा, कृषि क्षेत्र का भारतीय अर्थव्यवस्था में बड़ा योगदान है। हम पारंपरिक कृषि से आधुनिक कृषि की ओर बढ़ रहे हैं। इसके बावजूद, कुछ फसलों में हमारी कृषि उत्पादकता अभी भी वैश्विक औसत से कम है।

गहलोत ने कहा भारत में बीज उद्योग सार्वजनिक और निजी दोनों क्षेत्रों की बड़ी, मध्यम और छोटी बीज कंपनियों का मिश्रण है। भारतीय बीज क्षेत्र का मूल्य 6.3 बिलियन अमेरिकी डॉलर है और यह वैश्विक बाजार में 6 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ दुनिया का पाँचवाँ सबसे बड़ा क्षेत्र है।

यह महत्वपूर्ण है कि गुणवत्तापूर्ण, प्रमाणित और स्थानीय स्तर पर प्राप्त बीज किसानों तक कैसे पहुँचें। बीज मेले का उद्देश्य किसान भाइयों और बहनों को वैज्ञानिकों और विश्वसनीय उत्पादकों से सीधे जुड़ने, नई किस्मों के बारे में जानने और अपनी खेती के लिए उपयुक्त बीजों का चयन करने में मदद करना है। उन्होंने कहा, कृषि, प्रधानमंत्री के आत्मनिर्भर भारत के आह्वान का एक मजबूत स्तंभ है। जब हमारे किसान आत्मनिर्भर बनेंगे, तो हमारा देश भी आत्मनिर्भर बनेगा। इस दिशा में गुणवत्तापूर्ण बीज, अच्छी तकनीक, उचित मूल्य और बाजार तक सीधी पहुंच बहुत महत्वपूर्ण है।

कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, धारवाड़ इस ज़िम्मेदारी को बखूबी निभा रहा है। बीज मेला और फल-फूल प्रदर्शनी किसानों को वैज्ञानिकों से बातचीत करने और एक-दूसरे के अनुभवों से सीखने का एक मंच प्रदान करते हैं। धारवाड़ विश्वविद्यालय द्वारा बीज अनुसंधान, कीट एवं रोग नियंत्रण तथा कृषि यांत्रिकी में किया गया शोध कार्य न केवल कर्नाटक के लिए, बल्कि पूरे भारत के लिए प्रेरणादायी है। विश्वविद्यालय द्वारा विकसित गेहूँ की किस्मों की इंडोनेशिया में और दालों की किस्मों की अफ्रीकी देशों में मांग है। उन्होंने कहा, विज्ञान और नवाचार कृषि में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

समारोह में कुलपति डॉ. पी.एल.पाटिल और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

धर्मस्थल मामले में साजिश रचने वालों को न छूने का राजनीतिक दबाव : बसवराज बोम्मई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। धर्मस्थल मामले में एसआईटी पर साजिश रचने वालों को न छूने का राजनीतिक दबाव है। एसआईटी की जाँच अपेक्षा के अनुरूप नहीं हो रही है। पूर्व मुख्यमंत्री और सांसद बसवराज बोम्मई ने आरोप लगाया है कि पुलिस व्यवस्था के अनुसार जाँच नहीं हो रही है। बेंगलूरु में मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि नकाबपोश व्यक्ति की शिकायत लीक होने के बाद, विभिन्न शिकायतें दर्ज की जा रही हैं। एसआईटी की जवाबदेही है, ज़िम्मेदारी है कि उसे जल्द ही रिपोर्ट देनी चाहिए और अब तक की जाँच पर रिपोर्ट देनी चाहिए।

पूर्व मुख्यमंत्री बोम्मई ने कहा कि एसआईटी ने अभी तक साजिश रचने वाले मुख्य लोगों को नहीं छुआ है। उन्हें भी यकीन है कि एसआईटी हमें नहीं छुएगी, इसलिए वे बयान दे रहे हैं। नई शिकायतें आई हैं, वे उनकी भी जाँच कर रहे हैं। एसआईटी पर साजिश रचने वालों को न छूने का राजनीतिक दबाव है। इसीलिए एसआईटी ने अभी तक किसी को गिरफ्तार नहीं किया है और केवल पूछताछ कर रही है। बोम्मई ने मांग की कि एसआईटी अब तक की जाँच पर रिपोर्ट दे।

असंवैधानिक जाति जनगणना के ज़रिए ईसाई धर्म अपनाने के आरोप से जुड़े एक सवाल के जवाब में बोम्मई ने कहा, संविधान में सिर्फ़ छह धर्म हैं, उन धर्मों के नाम लिखे जाने चाहिए। उन्होंने राज्य में धर्मांतरित हुए ईसाइयों के नाम से एक नया कॉलम बनाया है। यह धर्म जैसा ही कॉलम है। यह गैरकानूनी, असंवैधानिक और राजनीति से प्रेरित है।

धर्मांतरण दोनों तरफ़ होता है। लेकिन, मुख्यमंत्री ने सिर्फ़ ईसाई धर्म अपनाने वालों को ही मान्यता क्यों दी है? मुख्यमंत्री ने एक कदम आगे बढ़कर कहा है कि धर्मांतरण उनका अधिकार है। राज्य में धर्मांतरण निषेध अधिनियम लागू है। मुख्यमंत्री ने कहा है कि हिंदू धर्म में समानता नहीं है। बोम्मई ने कहा यह समानता का सवाल नहीं है, लोगों को लालच देकर धर्मांतरित किया गया है। उनकी गरीबी और अशिक्षा का फायदा उठाकर उनका धर्मांतरण किया गया है। कई लोग ईसाई धर्म छोड़कर वापस आ गए हैं। इन धर्मांतरित लोगों को लेकर कई शंकाएँ हैं। उन्हें जाति कॉलम में धर्मांतरण करने वालों के लिए नया कॉलम बनाने का अधिकार किसने दिया? यह किस क़ानून में है? उन्होंने अपने करीबी लोगों से सलाह ली और उसे जोड़ दिया। यह ज़हर बोने और धर्मों के बीच दंगे कराने का काम है। वे पहले ही 350 करोड़ रुपये बर्बाद कर चुके हैं, अब वे 420 करोड़ रुपये और बर्बाद करने जा रहे हैं। सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षण के लिए जाति की क्या ज़रूरत है? मुख्यमंत्री ने आयोग से दिसंबर में जाति जनगणना रिपोर्ट देने को कहा है। डी. के. शिवकुमार गुट कह रहा है कि दिसंबर में नेतृत्व परिवर्तन होना चाहिए और डी. के. शिवकुमार मुख्यमंत्री बनेंगे। इसलिए, उन्होंने मुख्यमंत्री पर अपनी स्थिति मज़बूत करने के लिए जाति सर्वेक्षण रिपोर्ट का राजनीतिक इस्तेमाल करने का आरोप लगाया।

बोम्मई ने मांग की कि हासन ट्रक त्रासदी में मारे गए लोगों के परिवारों को अधिक मुआवज़ा दिया जाए। अतीत में हुए कई मामलों में, इसी मुख्यमंत्री ने अधिक मुआवज़ा दिया है। हासन में मारे गए लोग निर्दोष थे, युवा और उनके परिवार संकट में हैं, उन्हें इन सब पर विचार करना चाहिए और अधिक मुआवज़ा देना चाहिए। उन्होंने मांग की कि मुख्यमंत्री को रिकॉर्ड राशि का मुआवजा देना चाहिए।

उद्घाटन

रविवार को बेलगावी में कर्नाटक श्रमजीवी पत्रकार संघ और उसकी जिला शाखा द्वारा आयोजित एक समारोह का उद्घाटन मुख्यमंत्री के मीडिया सलाहकार के.वी. प्रभाकर ने किया। इस अवसर पर पत्रकार संघ के प्रदेश अध्यक्ष शिवानंद तगादूर, जिला अध्यक्ष दीपक कुरंदवाडे, केयूडब्ल्यूजे बेलगाम जिला इकाई के मानद अध्यक्ष डॉ. भीमाशी एल. जारकीहोली, संघ के नेता मदन गौड़ा सहित संघ की कार्यकारिणी समिति के सदस्य, पदाधिकारी और कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

कर्नाटक में हिंदुओं ने मुस्लिम महिला की 'गोद भराई' की रस्म की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मंड्या। सांप्रदायिक सद्भाव का प्रदर्शन करते हुए मंड्या के कृष्णराजा पीट कस्बे में हिंदू महिलाओं ने एक गर्भवती मुस्लिम महिला के लिए 'सीमांत संस्कार' अनुष्ठान किया। सीमांत संस्कार, एक पारंपरिक हिंदू गोद भराई समारोह है जिसमें गर्भवती मां और अजन्मे बच्चे को आशीर्वाद दिया जाता है। इस रस्म को उत्तर भारत में 'गोद भराई' भी कहा जाता है। यह पहल ऐसे वक्त हुई है जब गणेश विसर्जन जुलूस के दौरान मंड्या जिले के मद्दुर शहर और राज्य के कुछ अन्य हिस्सों में सांप्रदायिक संघर्ष देखने को मिला था। यह समारोह शनिवार को शहर की ग्रेजुएट्स क्रेडिट को-ऑपरेटिव सोसायटी की वार्षिक बैठक के दौरान आयोजित किया गया।

हिंदू महिलाओं ने सोसायटी की कर्मचारी नगमा भानु के लिए हिंदू रीति-रिवाजों के अनुसार सीमांत समारोह' संपन्न कराया। सांप्रदायिक एकता और आपसी सम्मान के प्रतीक के रूप में इस कदम की जनता ने व्यापक रूप से सराहना की है।

ओम बिरला ने तिरुपति मंदिर में की पूजा-अर्चना

चेन्नई/तिरुपति। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने रविवार को तिरुमला में भगवान वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में पूजा-अर्चना की। तिरुमला तिरुपति देवस्थानम के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। टीटीडी अधिकारियों ने लोकसभा अध्यक्ष का स्वागत किया और बाद में उन्हें दर्शन के लिए ले जाया गया। एक अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ''बिरला ने रविवार को तिरुमला मंदिर में पूजा-अर्चना की। तिरुमला मंदिर पहुंचने पर टीटीडी अधिकारियों ने उनका स्वागत किया और बाद में उन्हें श्री वेंकटेश्वर स्वामी के दर्शन के लिए ले जाया गया।'' दर्शन के बाद, पुजारियों ने उन्हें रेशमी वस्त्र पहनाकर सम्मानित किया और रंगनायकुला मंडपम में भगवान का प्रसाद प्रदान किया। बिरला 14 और 15 सितंबर को यहां 'नेशनल कान्फ्रेंस ऑफ द कमेटी ऑन वूमेन पार्लियामेंट एंड स्टेट एंड यूनियन टेरीटरी लेजिस्लेचर्स' के राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन और समापन सत्रों की अध्यक्षता करेंगे।

मुलाकात

बेंगलूरु में रविवार को उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार से उनके सदाशिवनगर स्थित आवास पर जम्मू-कश्मीर विधानसभा अध्यक्ष अब्दुल रहीम राठेर ने मुलाकात की और चर्चा की।

उद्घाटन

बेंगलूरु के यलहंका में पूर्व मुख्यमंत्री और सांसद बसवराज बोम्मई ने रविवार को केवीएल कर्मचारी क्रेडिट सहकारी समिति की पांचवीं वार्षिक साधारण बैठक में केवीएल अकादमी का उद्घाटन किया। केवीएल मैट्रिमोनी का अनावरण किया गया और केवीएल क्रेडिट ऑनलाइन सदस्यता का शुभारंभ किया। इस अवसर पर विधायक और वीरशैव लिंगायत निगम के अध्यक्ष विजयानंद कासप्पा, शिवगंगा निर्वाचन क्षेत्र मेलानागवी वीरसिम्हासन संस्थान मठ पीठ के अध्यक्ष डॉ. मलाया शांतमुनि देसीकेंद्र शिवाचार्य स्वामीजी, डीएक्स मैक्स के प्रमुख एसपी दयानंद, केवीएल कर्मचारी क्रेडिट सहकारी समिति के अध्यक्ष डॉ. सुरेश गौड़ा, उपाध्यक्ष डॉ. रवि तिरलापुरा और अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

मैं लोगों की सेवा करने के लिए राजनीति में आया हूं : विजय

तिरुचिरापल्ली/अरियालुर। तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) के प्रमुख विजय को शनिवार को कहा कि वह राजनीति में धन कमाने के लिए नहीं, बल्कि लोगों की सेवा करने के इरादे से आए हैं। तिरुचिरापल्ली में अपने पहले राज्यव्यापी अभियान की शुरुआत के दौरान एक उन्हें ऑडियो गड़बड़ी का भी सामना करना पड़ा।

तिरुचिरापल्ली और अरियालुर में बड़ी संख्या में अपने समर्थकों से घिरे अभिनेता ने केंद्र सरकार और राज्य की द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) सरकार पर निशाना साधा और बिना किसी लाग लपेट के कहा कि ''वह राजनीति में धन कमाने के लिए नहीं, बल्कि केवल लोगों की सेवा करने के इरादे से आए हैं।

सुविचार

सपनों की ओर पहला कदम आत्मविश्वास से भरा होता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ब्रिटेन में उभरता असंतोष

लंदन में एंटी-इमिग्रेशन मार्च में एक लाख से ज्यादा लोगों के जुटने का गहरा संदेश है। ब्रिटेन और कई यूरोपीय देशों की सरकारों ने पिछले कुछ दशकों में जिस तरह अदूरदर्शितापूर्ण फैसले लेकर पाकिस्तान, बांग्लादेश, अफगानिस्तान, इराक, सीरिया, सोमालिया, ट्यूनीशिया जैसे उच्च जोखिम वाले देशों से आने वाले लोगों के लिए दरवाजे खोले, उसके नतीजे अब जगह-जगह दिखाई देने लगे हैं। ब्रिटिश नेताओं के मन में एक ऐसा बहुसांस्कृतिक समाज बनाने का शौक पैदा हुआ था, जो उसके आदर्शों और मूल्यों का सम्मान करे। इसी क्रम में उसने कई देशों के लोगों को आने, नौकरी करने और बसने की इजाजत दी थी। भारत से भी हजारों लोग ब्रिटेन गए थे। वे उसके समाज में पूरी तरह घुलमिल गए। समस्या कुछ खास देशों से आने वालों के साथ है, जो ब्रिटेन की सुविधाएं तो पूरी चाहते हैं, लेकिन उसके समाज में घुलना-मिलना बिल्कुल नहीं चाहते। ब्रिटेन में कई इलाके ऐसे बन गए हैं, जहां पुलिस भी जाने से परहेज करती है। अंग्रेज देख रहे हैं कि कुछ लोग 'अपने देशों' से ऐसी मानसिकता लेकर आए हैं, जो उन्हें ब्रिटिश मूल्यों का सम्मान करने से रोकती है। वे लोग कानून तोड़ने पर गर्व महसूस करते हैं। उन्हें जब मौका मिलता है, ज्यादा से ज्यादा आज़ादी की मांग करते हैं। वे प्रदर्शन के नाम पर उपद्रव और हुड़दंग मचाते हैं, लेकिन खुद को हमेशा पीड़ित की तरह दिखाते हैं। ब्रिटेन में ग्रूमिंग गैंग ने बड़ा आतंक मचा रखा है। इन गिरोहों में ज्यादा संख्या पाकिस्तानी पुरुषों की होती है, जो अंग्रेज बच्चियों को फुसलाकर उन्हें ड्रग्स की लत लगाते हैं। इसके बाद उनका यौन शोषण करते हैं।

अपने देश के ऐसे हालात देखकर अंग्रेज खासे चिंतित हैं। वे इस मुद्दे को लेकर सोशल मीडिया पर चर्चा कर रहे हैं। उनकी शिकायत है कि नेताओं ने वोटबैंक के लालच में देशहित का ध्यान नहीं रखा। उनका यह भी आरोप है कि ब्रिटिश पुलिस अपनी छवि चमकाने के लिए कुछ लोगों द्वारा किए जा रहे अपराधों को नज़र-अंदाज़ कर देती है या बहुत हल्की कार्रवाई करती है। ब्रिटेन के कई इलाकों में अंग्रेजों को क्रिसमस मनाते समय दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। हाल के वर्षों में वहां हिंदू मंदिरों पर हमलों की घटनाएं सुर्खियों में रही हैं। वोटबैंक की यह राजनीति ब्रिटेन को ऐसे मोड़ पर ले आई है, जहां अंग्रेज अपने देश का झंडा लेकर निकल पड़े हैं। यह होना ही था। पाकिस्तानी मूल के मशहूर यूट्यूबर हारिस सुल्तान कुछ साल से इस बात को लगातार दोहरा रहे हैं कि यूरोप ऐसी घटनाओं को ज्यादा बर्दाश्त नहीं करेगा। वहां एक दिन लोग उठ खड़े होंगे। लंदन के एंटी-इमिग्रेशन मार्च में लोगों ने जिस तरह तीखा विरोध प्रदर्शन किया और पुलिस के साथ उनकी झड़पें हुईं, उससे संकेत मिलते हैं कि ब्रिटेन को भविष्य में ऐसे कई प्रदर्शनों के लिए तैयार रहना चाहिए। अंग्रेज यह देखकर हैरान हैं कि उनके देश में रहने वाले कई लोग हमास, हिज्बुल्ला जैसे संगठनों का समर्थन कर रहे हैं। इन्होंने 7 अक्टूबर, 2023 के हमले में मारे गए और बंधक बनाए गए इजराइली नागरिकों के लिए सहानुभूति का एक शब्द नहीं लिखा था। ईरान और फिलिस्तीन, जो इन संगठनों को हथियार और आर्थिक मदद पहुंचाते हैं, के समर्थन में ब्रिटेन में जुलूस निकले थे। ऐसे दृश्य देखकर अंग्रेजों का चिंतित होना स्वाभाविक है। आज का ब्रिटेन उन सभी देशों के लिए एक सबक है, जहां राजनेता राष्ट्रीय सुरक्षा, सामाजिक सद्भाव और सांस्कृतिक गौरव की उपेक्षा करते हैं तथा वोटबैंक पक्का करने के लिए देशहित की बलि चढ़ा देते हैं।

ट्वीटर टॉक

हिंदी भारत की सांस्कृतिक एकता और विविधता का सूत्र है। इसका महत्व न केवल संचार में है, बल्कि सामाजिक समरसता, साहित्यिक समृद्धि और वैश्विक पटल पर भारतीय धरोहर को दर्शाने में भी है। वर्तमान विज्ञान और इंटरनेट विश्व में हिंदी का बढ़ता चलन व प्रभाव सुखद अनुभूति देता है।

-ओम बिरला

मुख्यमंत्री निवास पर रावणा राजपूत समाज के प्रतिनिधिमंडल ने शिष्टाचार भेंट की। प्रतिनिधिमंडल ने हमारी सरकार द्वारा समाज के सर्वांगीण उत्थान हेतु संचालित कल्याणकारी योजनाओं एवं बजट घोषणाओं के सफल क्रियान्वयन के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।

-भजनलाल शर्मा

हिंदी दिवस के अवसर पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। हिंदी मात्र हमारी अभिव्यक्ति का ही माध्यम नहीं अपितु हमारी संस्कृति और पहचान का महत्वपूर्ण प्रतीक है। हिंदी भाषा में अनेक प्रतिष्ठित कवियों ने ओजपूर्ण कविताएं लिखी हैं जिन्होंने असंख्य लोगों को प्रेरणा दी है।

-अशोक गहलोत

प्रेरक प्रसंग

सद्वृत्त की सार्थकता

चरक की कक्षा में एक विद्यार्थी ने पूछा'गुरुवर, सदवृत्त क्या है और उसका पालन आवश्यक क्यों है?' गुरुजी बोले'आयुर्वेद और धर्मशास्त्रों में सदवृत्त जीवन की सफलता और कल्याण का मूल आधार है। यह केवल नियमों का पालन नहीं, बल्कि प्रत्येक कार्य में सजगता, विवेक और नैतिकता का अभ्यास है। यह आत्महित, स्वास्थ्य, सामाजिक सम्मान और परलोक कल्याण का मार्ग है। सदवृत्त का पालन करने वाला व्यक्ति शारीरिक, मानसिक और सामाजिक रूप से संतुलित जीवन जीता है।' विद्यार्थी ने फिर पूछा'क्या यह केवल आत्मसंयम तक सीमित है?' गुरुजी बोले'नहीं। यह स्वास्थ्य, दीर्घायु और मानसिक संतुलन का सूत्र है। इसे अपनाने वाला व्यक्ति समाज में यश और सम्मान पाता है तथा परलोक में भी श्रेष्ठ फल का अधिकारी बनता है।' शिष्य ने पुनः प्रश्न किया'जो अच्छे आचार समाज में प्रचलित हैं, पर शास्त्रों में नहीं मिलते, क्या उनका पालन भी करना चाहिए?' गुरुजी ने उत्तर दिया'चरक कहते हैं कि जो लोक में श्रेष्ठ, पूजनीय और समाज द्वारा मान्य आचरण हैं, वे भी सदवृत्त का हिस्सा हैं। आत्महित, सम्मान और परलोक कल्याण का यही मार्ग है।

सामयिक

विश्वेश्वरैया का सपना और आज की सफलता

योगेश कुमार गोयल

मोबाइल : 9416740584.

इंजीनियरिंग अब एक बेहद विस्तृत क्षेत्र है। वर्तमान समय में देश में कई महत्वपूर्ण विषयों में इंजीनियरिंग की पढ़ाई कराई जाती है। प्रतिवर्ष 15 सितम्बर को भारत में 'इंजीनियर्स डे' (अभियंता दिवस) मनाया जाता है और आज के समय में अभियंता दिवस मनाने का उद्देश्य भारत में विद्यार्थियों को इस क्षेत्र में आने के लिए प्रेरित करना भी है। इंजीनियर अपनी कुशलता से विभिन्न प्रकार के निर्माण कार्यों को गति प्रदान कर देश को समृद्ध और विकसित बनाने में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। राज्य तथा देश के विकास में इंजीनियरों के महत्वपूर्ण योगदान के चलते ही भारत आज इंजीनियरिंग तथा आईटी के क्षेत्र में दुनिया का अग्रणी देश है। सही मायनों में देश के विकास के धुरी इंजीनियर ही हैं, जिनका देश के विकास में सबसे महत्वपूर्ण योगदान होता है। दरअसल आपदा प्रबंधन से लेकर निर्माण तक कोई भी कार्य इंजीनियरों के बिना सम्पन्न नहीं हो सकता। मानव जीवन में रचनात्मक बदलाव का श्रेय इंजीनियरों को ही जाता है। देश की आजादी के बाद प्रतिभावान इंजीनियरों ने नए भारत के निर्माण तथा विकास में उल्लेखनीय योगदान दिया है। शहरों तथा गांवों के समग्र विकास के लिए सड़कों, पुलों, सिंचाई जलाशयों सहित अधोसंरचना के निर्माण के लिए निरंतर कार्य हो रहे हैं। देश में प्रतिवर्ष अभियंता दिवस इसीलिए मनाया जाता है ताकि देशभर के इंजीनियरों को प्रोत्साहित किया जा सके और हमारे इंजीनियर अपने ज्ञान और कौशल की बदौलत देश को तरक्की की नई राह पर आगे ले जाएं। इंजीनियरिंग के बारे में अमेरिका के जाने-माने इंजीनियर हेनरी पेट्रोस्की ने कहा था कि विज्ञान का अर्थ है जानना जबकि इंजीनियरिंग का अर्थ है करना अथवा करके दिखाना।

भारत के महान अभियंता और भारत रत्न से सम्मानित मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया के जन्मदिन को ही भारत में इंजीनियर्स डे के रूप में मनाया जाता है, जो वास्तव में अभियंताओं का संकल्प दिवस माना जाता है। भारत के महान इंजीनियरों में से एक मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया द्वारा इंजीनियरिंग के क्षेत्र में दिया गया असाधारण योगदान अविस्मरणीय है, जिन्हें भारतीय सिविल इंजीनियरिंग का जनक तथा आधुनिक भारत का विश्वककर्मा भी कहा जाता है। देशभर में बने कई नदियों के बांधों और पुलों को सफल बनाने के पीछे कर्नाटक में मैसूरु के कोलार जिले में 15 सितम्बर 1860 को जन्मे विश्वेश्वरैया का बहुत बड़ा योगदान रहा। एक इंजीनियर के रूप में उन्होंने देश में मैसूरु में कृष्णाराज सागर बांध, पुणे के खड़कवासला जलाशय में बांध, ग्वालियर में तिगरा बांध इत्यादि कई महत्वपूर्ण बांध बनवाए। हैदराबाद शहर को बनाने का पूरा श्रेय भी फादर ऑफ 'मॉडर्न मैसूरु स्टेट' कहे जाने वाले विश्वेश्वरैया को ही जाता है। दरअसल मैसूरु सरकार के साथ मिलकर उन्होंने मैसूरु संदल ऑयल एंड सोप फैक्टरी, मैसूरु आयरन एंड स्टील फैक्ट्री, मैसूरु चैम्बर्स ऑफ कॉमर्स, स्टेट बैंक ऑफ मैसूरु, विश्वेश्वरैया कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, परजीवी प्रयोगशाला, श्री जयचमराजेंद्र पॉलीटेक्निक संस्थान, बैंगलोर एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी, सेंचुरी क्लब इत्यादि कई फैक्ट्रियों और शैक्षणिक संस्थानों की स्थापना करवाई थी।

विश्वेश्वरैया द्वारा शुरू की गई बहुत सी परियोजनाओं के कारण देश आज गर्व का अनुभव करता है। उन्होंने एक बाढ़ सुरक्षा प्रणाली तैयार

की थी, जिसके बाद वे देशभर में विख्यात हो गए थे। विशाखापत्तनम बंदरगाह की समुद्री कटाव से सुरक्षा के लिए एक प्रणाली विकसित करने में भी उन्होंने बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। वर्ष 1955 में उन्हें सर्वोच्च भारतीय सम्मान 'भारत रत्न' से सम्मानित किया गया। इंजीनियरिंग के क्षेत्र में एम विश्वेश्वरैया के उल्लेखनीय योगदान के मद्देनजर वर्ष 1968 में उनकी जन्मतिथि को भारत सरकार द्वारा 'अभियंता दिवस' घोषित किया गया। तभी से प्रतिवर्ष 15 सितम्बर को अभियंता दिवस मनाया जाता है।

शुरुआती पढ़ाई मैसूरु में करने के बाद विश्वेश्वरैया ने 1881 में मद्रास यूनिवर्सिटी के सेंट्रल कॉलेज से बीए की परीक्षा उत्तीर्ण की। उसके बाद मैसूरु सरकार से उन्हें सहायता मिली और उन्होंने पूना के साइंस कॉलेज में इंजीनियरिंग के लिए दाखिला लिया। 1883 की एलसीई और एफसीई परीक्षा में उन्होंने प्रथम स्थान हासिल किया और उनकी योग्यता को देखते बॉम्बे सरकार ने उन्हें नासिक में सहायक अभियंता के पद पर नियुक्त किया। एक इंजीनियर के रूप में उसके बाद उन्होंने अनेक अद्भुत कार्यों को अंजाम दिया। विश्वेश्वरैया एक आदर्शवादी और अनुशासन प्रिय व्यक्ति थे, जो अपने हर कार्य को परफैक्शन के साथ करते थे। 92 वर्ष की आयु में भी वे बिना किसी सहारे के चलते थे और सामाजिक तौर पर सक्रिय रहते थे। कोई भाषण देने से पहले वे स्वयं उसे लिखते थे और फिर कई बार उसका अभ्यास करते थे। अपनी योग्यता से उन्होंने बड़े-बड़े ब्रिटिश इंजीनियरों के समक्ष भी अपनी योग्यता और प्रतिभा का लोहा मनवाया। वर्ष 1905 में उन्हें ब्रिटिश शासन द्वारा 'कमांडर ऑफ द ऑर्डर ऑफ द इंडियन एंपायर' से सम्मानित किया गया था। विश्वेश्वरैया वर्ष 1912 से 1918 तक मैसूरु के 19वें दीवान रहे। वर्ष 1903 में विश्वेश्वरैया ने पुणे के खड़कवासला जलाशय में ऐसा बांध बनवाया, जिसमें इस्पात के ऐसे दरवाजे थे, जो बाढ़ के दबाब को भी झेल सकते थे और इससे बांध को भी कोई नुकसान नहीं पहुंचता था। उस बांध की सफलता के बाद उन्होंने ग्वालियर में तिगरा बांध भी बनवाया। 1932 में कावेरी नदी पर बने कृष्णा राज सागर बांध के निर्माण परियोजना में वे चीफ इंजीनियर थे। उस समय इस बांध को एशिया का सबसे बड़ा बांध कहा जाता था। इंजीनियरिंग के क्षेत्र में ऐसे ही अद्भुत कार्यों के कारण विश्वेश्वरैया के जन्मदिन को उन्हें सम्मान प्रदान करने के उद्देश्य से अभियंता दिवस के रूप में मनाया जाता है। 14 अप्रैल 1962 को 101 वर्ष की आयु में विश्वेश्वरैया का निधन बेंगलूरु में हुआ। भारत में जहां प्रतिवर्ष 15 सितम्बर को अभियंता दिवस मनाया जाता है, वहीं कई अन्य देशों में भी यह दिवस अलग-अलग अवसरों पर मनाया जाता है।

चिंतन

विश्व की पहली एआई 'महिला मंत्री', उठने लगे सवाल

हरीश शिवनानी

मोबाइल : 9829210036

इस सप्ताह राजस्थान के जैसलमेर ज़िले से भी छोटे देश अल्बानिया ने संसदीय इतिहास में एक ऐसा कदम उठाया है जो दुनियाभर में चर्चा का विषय बन गया है। यूरोप महाद्वीप के इस देश के प्रधानमंत्री एडी रामा ने अपने मंत्रिमंडल में भ्रष्टाचार से निपटने के लिए एक आर्टिफ़िशियल मंत्री' डिएला' नियुक्त की है, जो मानव न होकर 'कृत्रिम बुद्धि जनित' यानी आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस (एआई) पर आधारित है। 'डिएला' का अर्थ अल्बानियाई भाषा में सूर्य' होता है। अल्बानिया के आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और क्रिप्टोकरेंसी लाइसेंसिंग विभाग के प्रमुख एनियो कासो ने 12 सितंबर को अल्बानिया की राजधानी तिराना में 'एआई बॉट 'मंत्री' 'डिएला' का परिचय दिया। यह विश्व की एक ऐसी 'कैबिनेट मंत्री' है जो 'शारीरिक' नहीं हैं। डिएला को सार्वजनिक खरीद विभाग का मंत्री बनाया गया है और इसका मुख्य उद्देश्य सरकारी निविदाओं के माध्यम से सार्वजनिक खरीद प्रक्रियाओं को पारदर्शी, तेज़ और पूरी तरह जवाबदेह बना कर भ्रष्टाचार को पूरी तरह समाप्त करना है।

'डिएला' एक 'एआई-पावर्ड वर्चुअल असिस्टेंट' है, जिसे माइक्रोसॉफ्ट के सहयोग से विकसित किया गया था। यह ई-अल्बानिया प्लेटफॉर्म पर पहले से ही एक वर्चुअल असिस्टेंट के रूप में कार्य कर रही थी। इसे पारंपरिक अल्बानियाई वेशभूषा में एक महिला के रूप में चित्रित किया गया है। इसे 'आर्टिफ़िशियल मंत्री' बनाने से अल्बानिया में संवैधानिक सवाल उठने लगे हैं, क्योंकि अल्बानिया के संविधान के अनुसार, मंत्रियों को 18 वर्ष से अधिक आयु का मानसिक रूप से 'सक्षम नागरिक' होना चाहिए। इस वर्ष हुए संसदीय चुनावों में रामा की सोशलिस्ट पार्टी ने 140 विधानसभा सीटों में से 83 सीटें जीतकर लगातार चौथी बार सत्ता हासिल की जबकि पूर्व प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति साली बेरिशा के नेतृत्व वाले विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी के गठबंधन ने 50 सीटें जीतीं। बहुमत के लिहाज से सोशलिस्ट पार्टी शासन कर सकती है और ज़्यादातर कानून पारित कर सकती है, लेकिन अल्बानिया के संविधान में बदलाव के लिए उसे दो-तिहाई बहुमत यानी 93 सीटों की ज़रूरत है। अल्बानियाई राष्ट्रपति बजराम बेगज ने 13 सितंबर को रामा को नई सरकार के गठन का अधिकार सौंपा दिया। विश्लेषकों का कहना है कि इससे प्रधानमंत्री को एआई डिएला के निर्माण और संचालन' का अधिकार तो मिल गया है लेकिन सवाल संविधान सम्मत होने का है कि मानव की जगह 'कृत्रिम आभासी ईकाई' को मंत्री

कैसे बनाया जा सकता है? स्वयं अल्बानियाई राष्ट्रपति के पास भी इसका स्पष्ट ज़वाब नहीं है। पत्रकारों के पूछे जाने पर कि क्या यह संविधान का उल्लंघन है, बेगज डिएला वाला सवाल टाल गए। अल्बानिया के प्रमुख विपक्षी दल डेमोक्रेटिक पार्टी ने इसे 'हास्यास्पद' और 'असंवैधानिक' करार दिया है। डेमोक्रेट्स के संसदीय दल के नेता गजमेंद बर्धी ने कहा कि बर्धी ने प्रधानमंत्री की मसखरी को अल्बानियाई राज्य के कानूनी कृत्यों में नहीं बदला जा सकता। अल्बानियाई कानूनी विशेषज्ञों ने भी संवैधानिक चुनौतियों की ओर इशारा किया है। दरअसल अल्बानिया लंबे समय से अपनी सुरक्षा और अन्य हितों के लिए यूरोपीय संघ की सदस्यता हासिल करने के लिए प्रयास कर रहा है लेकिन बेहद भ्रष्टाचार के मुद्दे के कारण उसे यह सदस्यता नहीं मिल पा रही है। भ्रष्टाचार से मुक्ति के लिए उसने एक 'गैर मानव आभासी ईकाई' पर दांव खेला है। महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि भ्रष्टाचार जैसी जटिल समस्याओं के समाधान के लिए नवीन तकनीकी समाधानों की तलाश एक अहम पहल है लेकिन यह कई गंभीर जोखिमों और चुनौतियों से भरा हुआ कदम है। सबसे बड़ा है जवाबदेही और दायित्व का संकटा अगर एआई कोई गलत निर्णय लेती है, जिससे वित्तीय नुकसान होता है या किसी की जान को खतरा होता है, तो उसके लिए जिम्मेदार कौन होगा? मंत्री एक जवाबदेह व्यक्ति होता है जिसे संसद के सामने जवाब देना होता है और उसके खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव भी लाया जा सकता है। एक एआई सिस्टम को जवाबदेह नहीं ठहराया जा सकता। अगर एआई मंत्री का फैसला नागरिकों के खिलाफ जाता है, तो उस फैसले के पीछे का तर्क समझाना और उसकी समीक्षा करना असंभव हो सकता है। अधिकांश देशों के संविधान और कानून मंत्री पद के लिए 'मनुष्य' होने की शर्त है। एआई को मंत्री बनाना संवैधानिक संकट पैदा कर सकता है। यह एक अत्यंत जटिल कानूनी सवाल है, जिस पर अभी वैश्विक सहमति नहीं है। विशेषज्ञों का कहना है कि तकनीक एक उपकरण है, शासक नहीं। निर्णय लेने की अंतिम जिम्मेदारी हमेशा मनुष्य के पास ही होनी चाहिए।

नजरिया

आधुनिक तकनीक एवं मानवीय करुणा है लोकतंत्र की बुनियाद

ललित गर्ग

मोबाइल : 9811051133

संयुक्त राष्ट्र ने 15 सितंबर को अंतर्राष्ट्रीय लोकतंत्र दिवस के रूप में नामित किया है ताकि दुनिया भर में लोकतंत्र और उसके मूल सिद्धांतों का जश्न मनाया जा सके। विश्व समुदाय ने पहली बार 2008 में अंतर्राष्ट्रीय लोकतंत्र दिवस मनाना नए या पुनर्स्थापित लोकतंत्रों के पहले अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की 20वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में स्वीकार किया, जिसने लोगों को दुनिया भर में लोकतंत्र को बढ़ावा देने पर ज़ोर देने का अवसर प्रदान किया। इस दिन का मुख्य उद्देश्य लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं की समीक्षा करना, लोकतंत्रीकरण और मानवाधिकारों को बढ़ावा देना और दुनिया भर की सरकारों से नागरिकों के अधिकारों का सम्मान करने और लोकतंत्र में सार्थक एवं सार्थक भागीदारी सुनिश्चित करने का आग्रह करना है। साथ ही, सतत विकास के लिए 2030 एजेंडा का उद्देश्य 16 सतत विकास लक्ष्यों के साथ लोकतंत्र को संबोधित करना, सूचना तक जनता की पहुँच सुनिश्चित करना, मौलिक स्वतंत्रताओं की रक्षा करना, राष्ट्रीय कानूनों और अंतर्राष्ट्रीय समझौतों का पालन करना और प्रभावी, जवाबदेह, समावेशी संस्थाओं का विकास करना है। यह दिन दुनिया भर में लोकतंत्र को बढ़ावा देने और मजबूत करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करता है, जिसमें स्वतंत्र प्रेस और मौलिक स्वतंत्रताएं शामिल हैं, जिन्हें सेंसरशिप और शारीरिक हिंसा के बढ़ते खतरों का सामना करना पड़ता है।

लोकतंत्र केवल शासन प्रणाली ही नहीं है, बल्कि एक ऐसा ढाँचा है जो मानवाधिकारों की सुरक्षा, कानून के शासन और निर्णय लेने में नागरिकों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करता है। 2024 में, दुनिया की लगभग आधी आबादी वाले 50 से ज्यादा देशों में चुनाव हुए, जिससे वैश्विक स्तर पर समाजों के भविष्य को आकार देने में लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर ज़ोर दिया गया। अंतर्राष्ट्रीय लोकतंत्र दिवस केवल एक प्रतीकात्मक दिवस भर नहीं है, बल्कि यह अवसर है कि हम यह परखें कि लोकतंत्र अपने आदर्श रूप में कितना जीवंत है और वास्तविक जीवन में कितनी चुनौतियों से जूझ रहा है।

नेपाल में पिछले दिनों से चल रही अस्थिरता और आंदोलन यह दर्शाती है कि वहां की राजनीतिक नेतृत्व ने जनता की आकांक्षाओं को पूरा करने के बजाय सत्ता संघर्ष को वरीयता दी। बार-बार सरकार बदलना, नीतियों में असंगति, शासनगत भ्रष्टाचार और आमजन की समस्याओं की अनदेखी लोकतंत्र के मूल स्वरूप को ही चोट पहुँचाती है। यही हाल पाकिस्तान का है जहां लोकतांत्रिक ढांचा होते हुए भी सेना और सत्ता की सांठगांठ ने लोकतंत्र को खोखला बना दिया है। वहां अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर पाबंदी और विपक्षी नेताओं पर दमन लोकतांत्रिक आदर्शों का उपहास है। बांग्लादेश में हाल के आंदोलनों ने यह स्पष्ट कर दिया कि सत्ता का केंद्रीकरण लोकतंत्र का गला घोंटता है। वहां आम जनता और छात्रों की आवाज़ को कुचलने का प्रयास हुआ जिससे असंतोष उभरकर सामने आया। भूटान जैसे छोटे राष्ट्र में भी लोकतांत्रिक प्रक्रिया अपेक्षित रूप में मजबूत नहीं हो पा रही और सत्ता पर कुछ वर्गों का वर्चस्व देखा जा रहा है।

आज दुनियाभर की शासन-प्रणालियों में घर कर रही समस्याओं के समाधान का रास्ता लोकतांत्रिक मूल्यों की पुनर्स्थापना में है। सबसे पहले राजनीतिक दलों को आंतरिक लोकतंत्र अपनाना होगा, क्योंकि यदि दलों में ही तानाशाही हो तो राष्ट्र में लोकतंत्र कैसे जीवित रहेगा? दूसरा, स्वतंत्र न्यायपालिका, स्वतंत्र मीडिया और मजबूत निर्वाचन प्रणाली लोकतंत्र की रीढ़ हैं, इन्हें किसी भी हालत में कमजोर नहीं होने देना चाहिए। तीसरा, नागरिक समाज और युवाओं को लोकतंत्र की रक्षा के लिए सजग और सक्रिय रहना होगा। महात्मा गांधी ने कहा था, लोकतंत्र जनता की आज्ञाकारिता नहीं, जनता की जागरूकता पर टिका है।' निश्चित है कि लोकतंत्र सर्वोत्तम शासन प्रणाली है, परंतु यह तभी प्रभावी हो सकता है जब इसके मूल तत्व-पारदर्शिता, जवाबदेही, समानता और स्वतंत्रता को व्यवहार में उतारा जाए। यदि लोकतंत्र सही ढंग से चले तो इससे उन्नत शासन प्रणाली नहीं हो सकती। लोकतंत्र केवल व्यवस्था नहीं, बल्कि एक सतत साधना है, और उसकी रक्षा का दायित्व शासकों से कहीं अधिक जनता पर है। लोकतंत्र केवल एक शासन-प्रणाली नहीं है, बल्कि यह जीवन-मूल्यों और मानवीय गरिमा का उत्सव है। इसमें शासक और शासित का भेद मिट जाता है और सत्ता का वास्तविक केन्द्र जनता होती है। लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति उसकी आत्मा में निहित है-जनता की सक्रिय भागीदारी और संवाद। जहाँ जनता मौन रहती है और केवल शासकों पर सब कुछ छोड़ देती है, वहाँ लोकतंत्र धीरे-धीरे खोखला हो जाता है और तानाशाही का रूप धारण कर लेता है। लोकतंत्र की सफलता का मूलमंत्र है-उत्तरदायित्व और पारदर्शिता। यदि सत्ता में बैठे लोग अपने को जनता से ऊपर समझने लगें, भ्रष्टाचार और पक्षपात में डूब जाएँ, तो लोकतंत्र के मूल तत्व ही नष्ट हो जाते हैं।

आज की परिस्थितियों में लोकतंत्र को सबसे बड़ी चुनौती है-मूल्यों का ह्रास। केवल बाहरी ढाँचे और प्रक्रियाएँ ही लोकतंत्र को जीवित नहीं रख सकतीं। जब तक नागरिकों में नैतिक चेतना, कर्तव्य-बोध और सामाजिक सरोकार नहीं होंगे, तब तक लोकतंत्र केवल बहुमत की तानाशाही बनकर रह जाएगा। जैसा कि प्रायः कहा गया है-लोकतंत्र वही है जहाँ जनमत की गरिमा सुरक्षित हो, जनता की आवाज़ सुनी जाए और शासन जनता के कल्याण के लिए कार्य करे।' लोकतंत्र का दूसरा पहलू है-विकेन्द्रित शक्ति। यदि सारे निर्णय केवल शीर्ष पर सीमित रहेंगे और गाँव, नगर, पंचायत या स्थानीय निकाय निष्क्रिय रहेंगे तो लोकतंत्र अधूरा रहेगा। असली लोकतंत्र वही है जहाँ निर्णय जनता की ज़मीनी ज़रूरतों के अनुसार हों और सत्ता की प्रक्रिया नीचे से ऊपर की ओर बहे। यह संवाद और सहमति का मार्ग है, संघर्ष और हिंसा का नहीं। इसे केवल व्यवस्था मानना भूल है; यह तो एक संस्कार और संस्कृति है, जो सतत आत्मावलोकन, आत्म-सुधार और समावेशिता की माँग करता है। अंतर्राष्ट्रीय लोकतंत्र दिवस मनाते हुए इसका सार यही है कि लोकतंत्र को बचाए रखने और उसे प्रभावी बनाने के लिए केवल संविधान और चुनाव काफी नहीं हैं; उसकी आत्मा को जीवित रखना आवश्यक है, जो जन-जागरण, नैतिकता और उत्तरदायित्व से ही संभव है। इस वर्ष लोकतंत्र दिवस मनाते हुए कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई और लोकतंत्र' के विषयों पर ज़ोर दिया जा सकता है, जिसके तहत एआई के जिम्मेदार उपयोग से लोकतंत्र के मूल्यों को मजबूत करने की बात कही जाती है। यह दिन सभी के लिए एक सुरक्षित, समावेशी और अधिक जीवंत डिजिटल भविष्य बनाने के लिए लोकतांत्रिक मूल्यों, भागीदारी, और मानवाधिकारों पर सामूहिक रूप से काम करने के महत्व पर भी प्रकाश डालता है।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

सुरक्षित ठिकानों से भूमिगत शरणस्थलों तक आतंकी संगठनों ने बदली रणनीति

श्रीनगर/भाषा। जम्मू-कश्मीर में आतंकवादी संगठनों ने अपनी रणनीति बदलते हुए अब स्थानीय घरों में पनाह लेने की बजाय घने जंगलों और ऊंचे पहाड़ी इलाकों में भूमिगत बंकर बनाने शुरू कर दिए हैं। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। स्थानीय समर्थन में कमी के कारण आतंकवादी संगठनों की रणनीति में यह बदलाव सेना और अन्य सुरक्षा बलों के लिए एक नई चुनौती प्रस्तुत करता है।

पिछले सप्ताह कुलगाम जिले के ऊपरी क्षेत्रों में हुई मुठभेड़ के दौरान इसका पता चला, जहां दो आतंकवादी मारे गए थे। जैसे-जैसे अभियान आगे बढ़ा, सुरक्षा बलों को एक गुप्त सुरंग मिली, जिसमें राशन, छोटे गैस स्टोव, प्रेशर कुकर, साथ ही हथियार और गोला-बारूद भी बरामद हुए। एक वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारी ने नाम न जाहिर करने की शर्त पर बताया कि यह प्रवृत्ति कुलगाम और शोपियां जिलों के साथ-साथ जम्मू क्षेत्र में पीर पंजाल के दक्षिण में व्यापक हो गई है, जहां घने जंगल आतंकवादियों के लिए आदर्श छिपने की जगह उपलब्ध कराते हैं। भले ही सुरक्षा कर्मियों ने इनमें से कुछ नए ठिकानों का पता लगाने में सफलता प्राप्त कर ली है, लेकिन अधिकारियों की चिंता बढ़ती जा रही है, विशेषकर खुफिया जानकारी मिलने के बाद कि आतंकवादियों को ऊंची और मध्य पहाड़ियों में रहने तथा सीमा पार से निर्देश मिलने पर हमले करने के लिए कहा गया है। एक अधिकारी ने कहा, यह मारे गए आतंकियों की संख्या का सवाल नहीं है। चिंता की बात यह है कि अब आतंकवादी इन भूमिगत बंकरों के भीतर अच्छी तरह से जमे हुए दिख रहे हैं। सेना की उत्तरी कमान के पूर्व प्रमुख और 2016 की सफल सर्जिकल स्ट्राइक का नेतृत्व कर चुके सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट जनरल डी एस हुड्डा ने कहा कि ऊंचाई वाले इन खाइयों और बंकरों की रणनीति 1990 और शुरुआती 2000 के दशक में अपनाई गई आतंकवादी रणनीति की याद दिलाती है। लेफ्टिनेंट जनरल हुड्डा ने यह भी कहा कि मानव स्रोतों से मिलने वाली खुफिया सूचनाओं (ह्यूमन इंटेलिजेंस) का अभाव वर्तमान में एक बड़ी समस्या बनकर उभरा है, जबकि पहले यह आतंकवाद विरोधी अभियानों में एक अहम साधन था।

फिर भी, उनका मानना है कि सेना इस नई चुनौती से निपटने के लिए अपनी रणनीति का पुनर्मूल्यांकन अवश्य करेगी। जम्मू-कश्मीर पुलिस में तीन दशक तक सेवा दे चुके पुडुचेरी पुलिस के पूर्व महानिदेशक बी श्रीनिवास ने भी इस आकलन से सहमति जताई। उन्होंने कहा कि आतंकी अब कस्बों और गांवों में शरण नहीं ले पा रहे हैं, इसलिए वे इन बंकरों का निर्माण करने को मजबूर हैं। स्थानीय लोगों द्वारा अलगाववादी विचारधारा से दूरी बनाए जाने के कारण अब घुसपैठिए आतंकी इन गुप्त सुरंगों का इस्तेमाल कर रहे हैं ताकि स्थानीय लोगों की नजरों से बच सकें, जिन्हें अब वे मुखबिर मानते हैं।

यह 2003 में 'ऑपरेशन सर्प विनाश' के दौरान देखी गई स्थिति की पुनरावृत्ति होगी, जब सुरक्षाबलों ने पुंछ क्षेत्र में छिपे हुए आतंकी ठिकानों को सफलतापूर्वक निशाना बनाया था इस नई चुनौती का सामना करने के लिए सुरक्षा एजेंसियां तकनीकी समाधानों का सहारा लेने की योजना बना रही हैं और आतंकवाद विरोधी अभियानों के दौरान 'ग्राउंड-पेनेट्रेटिंग रडार' (जीपीआर) से लैस ड्रोन और भूकंपीय सेंसर का इस्तेमाल करने पर विचार कर रही हैं। ड्रोन उन दुर्गम इलाकों तक पहुंच सकते हैं, जहां सामान्य रूप से पहुंचना कठिन है, जबकि 'जीपीआर' और भूकंपीय 'सेंसर' धरती के भीतर की खाली जगहों और संरचनात्मक बदलावों की पहचान कर सकते हैं, जिससे ऐसे भूमिगत बंकरों की सटीक जानकारी मिल सकती है।

प्रदर्शन

कांग्रेस की छात्र शाखा एनएसयूआई ने लखनऊ में भारत-पाकिस्तान मैच के विरोध में प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारी बीसीसीआई का पुतला लेकर हजरतगंज चौराहे पर पहुँचे और उस पर कालिख पोत दी। प्रदर्शन के दौरान रविवार को लखनऊ में पुलिस के साथ झड़प भी हुई।

चौदह करोड़ सदस्यों के साथ भाजपा दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी : नड्डा

विशाखापत्तनम/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने रविवार को कहा कि 14 करोड़ सदस्यों के साथ भाजपा दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बन गई है। उन्होंने कहा कि भाजपा में दो करोड़ सक्रिय सदस्य हैं।नड्डा ने बताया कि पार्टी के देश भर में 240 लोकसभा सदस्य, लगभग 1,500 विधायक और विधान परिषदों में 170 से ज्यादा सदस्य हैं।

केंद्रीय मंत्री ने यहां पार्टी की एक रैली को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार की सराहना की। उन्होंने कहा, हम (भाजपा) 14 करोड़ सदस्यों के साथ दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी हैं। भारत के 20 राज्यों में राजग और 13 राज्यों में भाजपा की सरकारें हैं। हम देश की सबसे बड़ी प्रतिनिधि पार्टी हैं। हमारे 240 सांसद (लोकसभा) हैं। हमारे लगभग 1,500 विधायक हैं। हमारे विधान परिषदों में 170 से ज्यादा सदस्य हैं।

नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में 11 साल में काम करने और जवाबदेह सरकार की राजनीति हुई है, जबकि पिछली सरकारों में नाकामी की राजनीति थी और उन्होंने विकास कार्य नहीं किए। उन्होंने कहा कि पिछली सरकारें घोषणापत्रों में किए गए वादों को भी भूल गई थीं।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि पहले परिवारवाद, भ्रष्टाचार और तुष्टीकरण की राजनीति थी।भाजपा अध्यक्ष ने कहा, हम एक ऐसी पार्टी से आते हैं, जिसका एक वैचारिक आधार है।भाजपा नेता ने कहा कि पार्टी के वादे के अनुसार अनुच्छेद 370 को हटाया गया, अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण हुआ, संशोधित नागरिकता कानून (सीएए) व वक्फ अधिनियम में संशोधन किए गए और तीन तलाक को समाप्त किया गया। उन्होंने कहा कि भारत अब दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की आकांक्षा रखता है।

नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने देश को उपहार देते हुए जीएसटी दरों के स्लैब को पहले के चार से घटाकर केवल दो कर दिया है। उन्होंने कहा, हमारा रक्षा निर्यात सात गुना बढ़ गया है। हम चिकित्सा के क्षेत्र में दुनिया की फार्मेसी बन गए हैं। भारत अब 92 प्रतिशत मोबाइल फोन का उत्पादन और निर्माण कर रहा है।

नड्डा ने आंध्र प्रदेश में किए गए विकास कार्यों का जिक्र करते हुए कहा कि केंद्र ने राजधानी अमरावती के निर्माण के लिए 15,000 करोड़ रुपए प्रदान किए हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने आंध्र प्रदेश में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) और भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) जैसे कई संस्थान स्थापित किए हैं।

डोनाल्ड ट्रंप के यात्रा प्रतिबंधों के कारण अमेरिका नहीं आ सकेंगे विदेशी छात्र

न्यूयॉर्क/एपी। अफगानिस्तान में लड़कियों के कॉलेज जाने पर तालिबान की ओर से प्रतिबंध लगाए जाने के बाद बहारा सागरी नाम की युवती ने उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए अमेरिका जाने का फैसला किया। बहारा (21) ने कई वर्षों तक प्रतिदिन आठ घंटे तक अंग्रेजी का अभ्यास किया और आखिरकार उसे इलिनॉय के एक निजी लिबरल आर्ट्स कॉलेज में बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन की पढ़ाई करने का प्रस्ताव मिला।

बहारा इस साल अमेरिका पहुंचने की उम्मीद में थीं लेकिन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के यात्रा प्रतिबंध के कारण उनका सपना एक बार फिर पूरा नहीं हो पाया।

बहारा ने कहा, आपको लगता है कि आखिरकार आप अपने सपने की ओर बढ़ रहे हैं लेकिन फिर कुछ ऐसा होता है कि जैसे सब कुछ खत्म हो गया हो। ट्रंप प्रशासन ने 19 देशों के नागरिकों पर यात्रा प्रतिबंध लगाए हैं और इन प्रतिबंधों से हजारों विद्यार्थी प्रभावित हुए हैं, जिनमें से कई ऐसे भी हैं जो अमेरिका आने के लिए काफी समय और पैसा लगाने के बाद अब खुद को असहाय महसूस कर रहे हैं।

कुछ विदेशी छात्र इस साल कॉलेजों में प्रवेश के प्रस्ताव मिलने के बावजूद नहीं आ पा रहे हैं क्योंकि वीजा प्रक्रिया के दौरान अतिरिक्त जांच-पड़ताल होने के कारण वीजा मिलने में देरी हो रही है।

प्रशासन द्वारा व्यापक आव्रजन कार्रवाई और कुछ विद्यार्थियों का 'लीगल स्टेटस' अचानक समाप्त किए जाने के कारण अन्य छात्र अमेरिका आने को लेकर पुनर्विचार कर रहे हैं।

प्रदर्शन

यूनाइटेड हिंदू फ्रंट और राष्ट्रवादी शिवसेना के कार्यकर्ताओं ने रविवार को नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर अमेरिका में भारतीयों की हाल ही में हुई नृशंस हत्याओं के विरोध में प्रदर्शन किया।

कैसे पुनीत इस्सर की जिद ने उन्हें बनाया महाभारत का 'दुर्योधन'

मुंबई/एजेन्सी

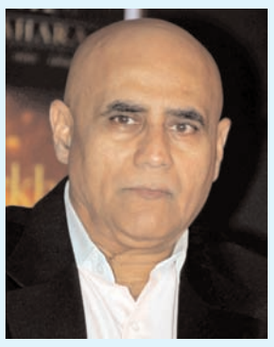

भारतीय टेलीविजन और सिनेमा के एक ऐसे कलाकार, जिनका नाम सुनते ही हमें 'महाभारत' का शक्तिशाली 'दुर्योधन' याद आ जाता है, वह हैं पुनीत इस्सर। अपनी दमदार आवाज, विशाल कद-काठी और अभिनय की गहराई से उन्होंने न सिर्फ दर्शकों के दिलों पर राज किया, बल्कि एक ऐसा किरदार अमर कर दिया, जिसकी कल्पना किए बिना उनका नाम अधूरा है। हालांकि, उनका करियर अमिताभ बच्चन के साथ हुई एक दुर्घटना से लेकर कई उतार-चढ़ावों से भरा रहा है, लेकिन पुनीत इस्सर ने हर चुनौती को पार करते हुए एक अभिनेता, निर्देशक और लेखक के रूप में अपनी एक अलग पहचान बनाई। पुनीत इस्सर एक भारतीय अभिनेता, लेखक, निर्देशक और मार्शल आर्टिस्ट हैं, जिनका जन्म 6 नवंबर 1959 को पंजाब में हुआ। पुनीत इस्सर ने 'कुली' (1983), 'बॉर्डर', और 'गांधी टू हिटलर' जैसी फिल्मों में काम किया, वहीं 'बिग बॉस-8' में बतौर कंटेस्टेंट भी दिखाई दिए। इसके अलावा, उन्होंने कई फिल्मों का निर्देशन भी किया, जिनमें 'आई एम सिंह', 'गर्व', और 'हीरो: द लव स्टोरी ऑफ अ स्पाई' शामिल हैं।

पुनीत इस्सर को लोग 'महाभारत' टीवी सीरियल में 'दुर्योधन' की दमदार भूमिका निभाने के लिए याद करते हैं। भारतीय टेलीविजन के इतिहास में, बी.आर. चोपड़ा की 'महाभारत' को सिर्फ एक शो के रूप में नहीं, बल्कि एक धार्मिक घटना के रूप में याद किया जाता है। इस महागाथा के हर किरदार को उसके कलाकार ने अपनी आत्मा से जिया था, पुनीत इस्सर भी उन्हीं में से एक हैं। पुनीत इस्सर को यह रोल कैसे मिला था, इसका किस्सा भी दिलचस्प है। यह किस्सा उन्होंने अपने एक इंटरव्यू में बताया था।

जब बी.आर. चोपड़ा ने 'महाभारत' के लिए कलाकारों का चयन शुरू किया, तो पुनीत इस्सर ने भीम के किरदार के लिए ऑडिशन दिया था। अपनी विशाल कद-काठी और शानदार कद-काठी की वजह से वह इस रोल के लिए बिलकुल फिट थे। हालांकि, पुनीत का दिल दुर्योधन के किरदार पर अटका हुआ था। उन्हें दुर्योधन का किरदार ज्यादा पसंद था, क्योंकि वे जानते थे कि यह किरदार सिर्फ ताकत का नहीं, बल्कि अहंकार, कूटनीति और एक गहरी मनोवैज्ञानिक जटिलता का प्रतीक था। जब उन्होंने चोपड़ा से दुर्योधन का किरदार मांगा, तो उन्हें बताया गया कि दुर्योधन के लिए उनका शरीर बहुत विशाल है।

इस बात से पुनीत निराश नहीं हुए, बल्कि उन्होंने एक साहसी फैसला लिया। उन्होंने अपने आप को दुर्योधन के दुबले-पतले और तेज-तर्रार लुक में ढालने के लिए बहुत मेहनत की। पुनीत ने कई दिनों तक अपनी डाइट कम की और मार्शल आर्ट्स का अभ्यास करके अपने शरीर को सुडौल और फुर्तीला बनाया। उनका मकसद था दुर्योधन के किरदार के लुक में खुद को ढालना। कई दिनों के बाद जब पुनीत इस्सर दोबारा बी.आर. चोपड़ा के पास गए, तो चोपड़ा उन्हें एक पल के लिए पहचान नहीं पाए। जब उन्हें पता चला कि यह वही पुनीत हैं, तो वह उनकी लगन और समर्पण से इतने प्रभावित हुए कि उन्होंने बिना सोचे-समझे उन्हें दुर्योधन का रोल दे दिया। पुनीत की यह मेहनत रंग लाई और दुर्योधन का किरदार आज भी उनकी पहचान है।

जो अजब है, वो गज़ब है के साथ लौटा इंडियाज़ गॉट टैलेंट, सिद्धू ने किया लॉन्च

मुंबई/एजेन्सी

नवजोत सिंह सिद्धू ने इंडियाज़ गॉट टैलेंट का नया सीजन लांच किया है। नवजोत सिंह सिद्धू की प्रोमो में दमदार लाइन दुनिया में सबसे बड़ा रोग, मेरे बारे में क्या कहेंगे लोग, उन लोगों की परेशानियों को दिखाती है जिन्हें समाज की सोच रोकती है। ये लाइन टैलेंटस को प्रेरित करती है कि वो ऐसे बंधनों से ऊपर उठकर बिना किसी डर अपने सपनों का पीछा करें। इंडियाज़ गॉट टैलेंट के पहले प्रोमो में आने वाले सफर की बस एक झलक दिखाई गई है, जिसमें टैगलाइन जो अजब है, वो गजब है इस सीज़न की असली रूह को बखूबी पेश करती है। शो के बारे में बात करते हुए नवजोत सिंह सिद्धू ने कहा,, मैं उन टैलेंटस को देखने के लिए उत्साहित हूँ जो अनोखे, क्रिएटिव हैं और इतनी हिम्मत रखते हैं कि आम सोच को चैलेंज कर सकें। ये कमाल के टैलेंटस न सिर्फ पूरे देश को हैरान करने वाले हैं बल्कि अनगिनत लोगों को अपने सपनों का पीछा करने के लिए प्रेरित भी करने वाले हैं! इंडियाज़ गॉट टैलेंट का प्रीमियर चार अक्टूबर 2025 से, हर शनिवार और रविवार रात 9:30 बजे, सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविज़न और सोनी लिव पर होगा।

फिल्म 'जुगनुमा' पर मनोज बाजपेयी ने कहा, इसने मेरी हर परेशानी का जवाब दे दिया

मुंबई/भाषा

अभिनेता मनोज बाजपेयी का कहना है कि उनकी नयी फिल्म 'जुगनुमा' ने उन्हें खुद से और अपने उद्देश्य की भावना से फिर से जुड़ने में मदद की है क्योंकि यह प्रोजेक्ट उनके पास ऐसे समय में आया था जब वह अस्तित्व संबंधी सवालों से घिरने के कारण बेचैनी और अनिश्चितता के दौर से गुजर रहे थे। अभिनेता ने 'द फैमिली मैन' के लिए चयनित किये जाने के बावजूद लगभग एक साल का विराम लेने की बात को याद किया, क्योंकि वह खुद को अपने उद्देश्य, अपने काम और यहां तक कि दैनिक जीवन की दिनचर्या पर भी सवाल उठाते हुए पा रहे थे। उन्होंने कहा, मैं अपने जीवन के एक ऐसे मोड़ पर था, जब सवाल बहुत गंभीर होते जा रहे थे, और वे सभी अस्तित्व संबंधी मुद्दे थे। मैं बहुत परेशान था। यह इतना परेशान करने वाला था कि मैंने आठ से 10 महीनों तक काम करना बंद कर दिया, लगभग कोई फिल्म नहीं,

कुछ भी नहीं।''

बाजपेयी ने 'पीटीआई-भाषा' को एक साक्षात्कार में बताया, मैं कुछ नहीं कर रहा था। 'द फैमिली मैन' के मामले में तारीखें एक साल बाद थीं, उस एक साल के लिए मैंने काम नहीं किया।'' अभिनेता और उनका परिवार अभी-अभी एक नए घर में स्थानांतरित हुए थे, जो मरम्मत के दौर से गुजर रहा था। उन्होंने कहा, हम एक नई सोसायटी में आ गए, समाज नया था। लेकिन सवाल मेरे लिए बहुत अधिक परेशान करने वाले थे, मुझे जवाब ढूंढ़ना था और मैं नहीं ढूंढ़ पा रहा था।'' इसी बेचैनी की स्थिति में 'जुगनुमा' की पटकथा आई।

'तिथि' से प्रसिद्ध राम रेड्डी द्वारा निर्देशित यह फिल्म जादुई यथार्थवाद से ओतप्रोत है, जो पीढ़ीगत आघात, गांव की किंवदंतियों और रहस्यवाद जैसे विषयों को छूती है। बाजपेयी ने कहा कि उन्होंने इसे एक बार, फिर दो बार पढ़ा, और महसूस किया कि यह सीधे उनके संघर्षों से जुड़ी है। उन्होंने कहा, मुझे लगा कि मैं जिन परिस्थितियों से गुजर रहा था, और जिन सभी प्रश्नों को मैं देख रहा था, यह फिल्म मेरे लिए सब कुछ हल कर देगी।'' देशभर के सिनेमाघरों में शुक्रवार को रिलीज हुई 'जुगनुमा' को पिछले साल खूब तारीफ मिली थी, बर्लिन और लीड्स अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में इसे प्रशंसा मिली थी - जहां इसे सर्वश्रेष्ठ फिल्म का पुरस्कार मिला था और मुंबई के 'मामी (एमएएमआई) फिल्म महोत्सव' में विशेष जूरी पुरस्कार भी मिला था।

शादी के करीब एक दशक बाद शोबिज में लौटना आसान नहीं था : गीता बसरा

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री गीता बसरा ने करीब एक दशक के लंबे अंतराल के बाद, पंजाबी फिल्म 'मेहर' से दमदार वापसी की। राकेश मेहता ने इस फिल्म को डायरेक्ट किया है। यह फिल्म 5 सितंबर को रिलीज हो चुकी है। गीता बसरा ने कई सालों बाद फिल्म इंडस्ट्री में अपनी वापसी के बारे में आईएएनएस से खुलकर बात की। उन्होंने इस बीच फिल्म इंडस्ट्री में आए बदलावों पर भी बात की। गीता ने कहा, सेट पर होना मेरा सपना है, और मैं खुद को खुशकिस्मत मानती हूं कि मुझे एक और मौका मिला। यहां आकर मुझे बहुत खुशी मिलती है। पंद्रह साल पहले, शादी के बाद महिलाओं के लिए वापसी करना मुश्किल था, लेकिन अब समय बदल गया है। पीढ़ी बदल गई है, और अब यह कोई मायने नहीं रखता। गीता ने अपने पति और क्रिकेटर हरभजन सिंह के साथ एक मैगजीन के कवर पेज पर आने के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा, बड़ी हस्तियों के साथ शामिल होना वाकई गर्व की बात है। एंड्रिया जी और उनकी टीम ने बहुत अच्छा काम किया है और यह हमारे लिए सम्मान की बात है। हमें उम्मीद है कि भविष्य में हम और आगे भी साथ काम करेंगे।हरभजन सिंह को मैगजीन के कवर पेज पर दिखाने का फैसला कैसे लिया गया? इसका जवाब देते हुए अभिनेत्री ने कहा, एंड्रिया, शिवेंद्र और टीम इस बात पर चर्चा कर रहे थे कि कवर पर किसे दिखाया जाए। शिवेंद्र ने हरभजन का नाम सुझाया और तुरंत सभी को लगा कि यह सही फैसला है। जल्द ही हम दोनों से संपर्क किया गया और सब कुछ बहुत अच्छा हुआ। समय भी बिल्कुल सही था, मेरी फिल्म अभी-अभी रिलीज हुई थी, मैंने प्रोडक्शन में कदम रखा और हम इस खूबसूरत शो का हिस्सा थे, जिसकी लोग सराहना कर रहे हैं।

सीरीज 'जनावर-द बीस्ट विदिन' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

जी5 ने अपनी आने वाली हिंदी ऑरिजिनल सीरीज़ जनावर द बीस्ट विदिन का ट्रेलर रिलीज कर दिया है। सीरीज जनावर द बीस्ट विदिन एक रोमांचक क्राइम ड्रामा है, जो छंद नामक अशांत और हलचल भरे क़स्बे में घटित होता है। इसे आरंभ एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा प्रस्तुत किया गया है और शचिंद्र वत्स द्वारा निर्देशित किया गया है। इस शो में भुवन अरोड़ा मुख्य भूमिका में हैं। यह सीरीज 26 सितंबर को जी5 पर प्रीमियर होगी। ट्रेलर दर्शकों को छंद क़स्बे से रूबरू कराता है, जहाँ हेमंत कुमार (भुवन अरोड़ा), एक ईमानदार पुलिस अधिकारी, ख़तरनाक मामलों में उलझ जाता है। बिना सिर वाली लाश, ग़ायब सोना और एक लापता व्यक्ति क़स्बे में डर का माहौल पैदा करते हैं, जिससे हेमंत को न केवल ख़तरनाक जाँच का सामना करना पड़ता है, बल्कि व्यवस्था में मौजूद पक्षपाती सोच और व्यक्तिगत संघर्षों से भी जूझना पड़ता है। जब रहस्य खुलते हैं, तो ग्राम देवता की विरासत सामने आती है, जो याद दिलाती है कि असली पहचान साहस के ज़रिए बनती है, जन्म से नहीं। फिर भी, छंद की जमीन के नीचे कई और सच्चाइयाँ दफ़न हैं।

भुवन अरोड़ा ने कहा, जनावर द बीस्ट विदिन ऐसी कहानी है जो आपको सिर्फ़ अभिनेता के तौर पर ही नहीं, बल्कि एक इंसान के रूप में भी परखती है।

हेमंत कुमार की भूमिका निभाना भावनात्मक रूप से चुनौतीपूर्ण था क्योंकि उसके कंधों पर कई लड़ाइयाँ हैं ।फर्ज़, पहचान, परिवार और उसके अंदरूनी डर। यह ट्रेलर दर्शकों को हमारी बनाई दुनिया की एक झलक दिखाता है, और मैं बेसब्री से इंतजार कर रहा हूँ कि दर्शक हेमंत की पूरी कहानी और यात्रा की चुनौतियों को समझें।

फिल्म 'मेरे रहो' 12 दिसंबर को होगी रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

आमिर खान प्रोडक्शन की नई फिल्म 'मेरे रहो'12 दिसंबर को रिलीज होगी। फिल्म 'मेरे रहो' में जुनैद खान और साई पल्लवी की मुख्य भूमिका होगी। इस फिल्म का निर्माण आमिर खान और मंसूर खान मिलकर कर रहे हैं। फिल्म समीक्षक तरण आदर्श ने सोशल मीडिया पर बताया, आमिर खान प्रोडक्शंस की नई फिल्म 'मेरे रहो' 12 दिसंबर, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस रोमांटिक ड्रामा में जुनैद खान और साई पल्लवी मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म का निर्देशन सुनील पांडे कर रहे हैं। इस फिल्म निर्माण आमिर खान और मंसूर खान मिलकर कर रहे हैं। फिल्म 'मेरे रहो' आमिर और मंसूर की 17 साल बाद एक साथ वापसी है, जो पहले 'जाने तू या जाने ना' जैसी हिट फिल्म दे चुके हैं। फिल्म 'जाने तू या जाने ना' 2008 में रिलीज हुई थी।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
बेंगलूरु | सोमवार | 15-09-2025 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. 58061/93. Regn No.: NP/KA/BGS/2050/2018-2020 Posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026.

राष्ट्रीय शाकद्वीपीय ब्राह्मण महासंघ की राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की बैठक शनिवार को शहर के एक पंच सितारा होटल में सम्पन्न हुई जिसमें समाज के विभिन्न राष्ट्रीय विषयों पर गहन चर्चा हुई। सभी प्रतिभागियों का तिलक लगाकर साफा पहनाकर सम्मान किया गया।

शटल स्ट्राइकर्स ने नेट निंजास को हराकर जीता 'कटारिया बैडमिंटन कप'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। राजाजीनगर कांठा प्रांत की युवा शाखा कांठा प्रांत जैन मित्र मंच द्वारा आयोजित 'कटारिया कप बैडमिंटन प्रतियोगिता' शटल स्ट्राइकर्स टीम ने जीती। एटूवी बैडमिंटन अकादमी में मिश्रीमल अजीतकुमार कटारिया के मुख्य प्रायोजन में आयोजित कटारिया कप के सीजन 3 के फाइनल मुकाबले में शटल स्ट्राइकर्स एवं नेट निंजास टीम के बीच शानदार प्रदर्शन करते हुए शटल स्ट्राइकर्स टीम ने कप अपने नाम किया। मंच के अध्यक्ष अजीत कटारिया ने सबका स्वागत किया। मंत्री निखिल गुंदेचा ने प्रायोजक व सहप्रायोजकों के प्रति आभार व्यक्त किया। राजाजीनगर कांठा प्रांत ओसवाल साजनान संघ के अध्यक्ष मिश्रीमल कटारिया एवं महामंत्री भागचंद गुगलिया ने सभी टीम मालिकों को भागीदारी के लिए धन्यवाद दिया। संयोजक मनीष बोहरा एवं विशाल गुगलिया ने इस प्रतियोगिता कि जानकारी दी। इस मौके पर कांठा प्रांत जैन ट्रस्ट के महामंत्री सिद्धार्थ बोहरा ने ट्रस्ट द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित होने वाली बैडमिंटन प्रतियोगिता की घोषणा की। अंत में विजेता टीम व अन्य खिलाड़ियों को ट्रॉफी प्रदान की गई। विजेता टीम के लीडर धीरज कटारिया एवं उपविजेता टीम के लीडर विमल कटारिया ने कहा कि आयोजन से कांठा प्रांत के युवाओं के खेल में निखार के साथ नेटवर्किंग भी बढ़ती है। मंच के सह सचिव शेखर चानोदिया ने बताया कि प्रतियोगिता उद्घघाटन समारोह में कांठा प्रांत जैन ट्रस्ट के अध्यक्ष उत्तमचंद कोठारी, किरणराज कोठारी, किरणराज खिंवेसरा, कांठा प्रांत विजयनगर मंडल के अध्यक्ष मोहनलाल कटारिया, महावीर गांधी, महावीर गुगलिया के साथ अन्य सदस्य व महिलाएं उपस्थित थीं।

गांधीनगर में जैन विद्या प्रमाण पत्र वितरण कार्यक्रम आयोजित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के गांधीनगर तेरापंथ भवन में मुनि डॉ पुलकित कुमारजी व आदित्य कुमारजी के सान्निध्य में रविवार को जैन विद्या प्रमाण पत्र वितरण कार्यक्रम का आयोजन समण संस्कृति संकाय द्वारा किया गया। इस अवसर पर मुनि पुलकित कुमार जी ने कहा कि जैन विद्या आध्यात्मिक विकास का उत्तम साधन है। जैन विद्या का अध्ययन निर्जरा और ज्ञानार्जन करवाने वाला होता है।

जैन दर्शन का विधिवत अध्ययन करने के लिए जैन विद्या परीक्षाएं पूरे भारत में आयोजित की जाती है। उन्होंने कहा, जैन विद्या परीक्षा देने के लिए श्रावक श्राविकाओं में जागरूकता आनी चाहिए। आदित्य कुमार ने अपने विचार व्यक्त किए। सभा के अध्यक्ष पारसमल भंसाली ने सभी का स्वागत किया। सभा के मंत्री विनोद छाजेड़ ने वॉइस ऑफ तेरापंथ सेमीफाइनल कार्यक्रम की जानकारी देते हुए सभी विजेताओं को सम्मानित किया।जैन विद्या प्रशिक्षिकाओं ने गीत प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन हेमंत छाजेड़ ने किया।

जयंती समारोह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के राजाजीनगर स्थित त्रिशला बहू मंडल की सदस्याओं ने कोयम्बटूर में विराजित साध्वी डॉ प्रतिभाश्रीजी, ऋषिताजी, अनुज्ञाश्रीजी, सर्वज्ञाश्रीजी व प्रियांगीश्रीजी के सान्निध्य में पुष्करमुनिजी की 116वीं जयंती मनाई तथा गुरुदर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

शांतिनगर मंदिर में मासखमण तपस्वियों का हुआ सम्मान

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के शांतिनगर जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक संघ के तत्वावधान में रविवार को भोमिया भवन में मृत्युंजय मासक्षमण तप करने वाले तपस्वियों का सम्मान किया गया। तप के अनुमोदनार्थ मंदिर की भव्य सजावट की गई तथा स्नात्र महोत्सव का आयोजन किया गया। इस मौके पर विशेषकर मासक्षमण तप करने वाले तपस्वियों का सम्मान साथ ही पाठशाला वार्षिक पुरस्कार वितरण व पर्युषण पर्व के दौरान अंगरचना करने वालों का भी सम्मान किया गया।

निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर 70 से अधिक पुलिसकर्मी हुए लाभान्वित

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के विजय संभव फ़ाउंडेशन ने शुक्रवार को सरजापुर स्थित स्पर्श अस्पताल और अलोका विज़न फ़ाउंडेशन के सहयोग से बेलंदूर पुलिस स्टेशन परिसर में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जिसमें 70 से अधिक पुलिसकर्मियों ने लाभ उठाया। शिविर में जरूरतमंदों को चश्मे प्रदान किए गए। नेत्र जांच के शिविर में रक्तशर्करा जाँच, ऊँचाई एवं वज़न माप, ईसीजी तथा सामान्य चिकित्सक से परामर्श जैसी सेवाएँ उपलब्ध कराई गईं। फ़ाउंडेशन ने प्रतिभागियों को पर्यावरण अनुकूल थैले भी वितरित किए और 'से नो टू प्लास्टिक' अभियान के तहत प्लास्टिक-मुक्त जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया। इस मौके पर फ़ाउंडेशन के अध्यक्ष रवि राजहंस सहित अन्य ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। बेलंदूर पुलिस स्टेशन के एसएचओ रमेश ने फाउंडेशन को प्रशंसा पत्र प्रदान किया।

राजराजेश्वरीनगर में हुआ आध्यात्मिक मिलन

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के आरआरनगर तेरापंथ भवन में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी पुण्ययशाजी ने अपने प्रवचन में कहा कि जो सत्य को विपरीत समझता है वो 'अज्ञ' है, जो सत्य को सीधे ढंग से समझता है वो 'सुज्ञ' है। जो तीक्ष्ण प्रज्ञा से सत्य के गहरे अर्थ को समझता है वह 'प्राज्ञ' है। प्राज्ञ पावन बन जाता है, सुज्ञ सद्गति पाता है और अज्ञ चार गति में परिभ्रमण करता है। धर्म की महत्ता को बताते हुए कहा कि जो धर्म की आराधना करता है उसे देवता भी नमस्कार करते हैं। प्रवचन से पहले विजयनगर में विराजित साध्वी संयमलताजी की सहवर्तिनी साध्वी मार्दवयशाजी और मनीषाप्रभाजी राजराजेश्वरीनगर में साध्वी बोधिप्रभाजी की ग्यारह दिन की तपस्या की कुशलक्षेम पुछने पहुंची। साध्वी पुण्ययशाजी, विनीतयशाजी,वर्धमानयशाजी ने एक गीतिका के माध्यम से साध्वियों की अगवानी की। आगन्तुक साध्वियों ने गीतिका के माध्यम से साध्वी बोधिप्रभाजी के तप की अनुमोदना की। इस अवसर पर अनेक श्रावक श्राविकाएं उपस्थित थे। राजराजेश्वरीनगर सभा के अध्यक्ष राकेश छाजेड़ ने साध्वियों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। जितेन्द्र घोषल और विक्रम दुगड़ ने एक गीतिका प्रस्तुत की। बन्नरघट्टा रोड क्षेत्र में नवगठित तेरापंथ सभा की टीम ने साध्वीश्री के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

राष्ट्रीय शाकद्वीपीय ब्राह्मण महासंघ की बैठक विकासोन्मुख प्रस्तावों के साथ सम्पन्न

विश्व की सबसे ऊँची भगवान भास्कर की प्रतिमा स्थापित करने की हुई घोषणा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। राष्ट्रीय शाकद्वीपीय ब्राह्मण महासंघ की राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की बैठक शनिवार को शहर के एक पंच सितारा होटल में सम्पन्न हुई जिसमें समाज के विभिन्न राष्ट्रीय विषयों पर गहन चर्चा हुई। सभी प्रतिभागियों का तिलक लगाकर साफा पहनाकर सम्मान किया गया। बैठक में जयपुर से आए राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य एवं वरिष्ठ भाजपा नेता सोमकान्त शर्मा ने शाकद्वीपीय ब्राह्मण समाज के स्वर्णिम वैदिक इतिहास पर प्रकाश डालते हुए प्रत्येक समाज बंधु को अपने इतिहास पर गर्व करते हुए आदित्य हृदय स्तोत्र को कंठस्थ करने की सलाह दी। समाज के राष्ट्रीय प्रमुख सुनील शर्मा ने बेंगलूरु के पास मुलबाग़ल में समाज के शक्ति स्थल के निर्माण व विश्व की सबसे ऊँची एवं भगवान भास्कर की भव्य प्रतिमा लगाने की घोषणा की। शर्मा ने रोजगार, शिक्षा, महिला सशक्तिकरण विषय एवं युवाओं को विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं के आयोजन द्वारा समाज से जोड़ने पर बल दिया।

देशभर से आए राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्यों में से बिहार से राजेन्द्र पाठक, प्रकाश मिश्रा, महाराष्ट्र से नितिन महेंद्र शर्मा, शिवप्रसाद शर्मा, उड़ीसा से शेखर आचार्य, जोधपुर से राकेश अबोटी, जितेंद्र अबोटी, बीकानेर से आरके शर्मा, कामिनी भोजक, हुब्बल्ली से नरेश शर्मा, केजीएफ से रमेश शर्मा, छत्तीसगढ़ से दिलीप शर्मा, उषा अभय शर्मा, बलुन्दा से प्रकाश शर्मा, अहमदाबाद से नटवर शर्मा, पवन शर्मा ने अपने-अपने विचार व्यक्त किए।ङ्कसामाजिक जनगणना के तहत पारिवारिक वंशावली के डिजिटल एप्प के बारे में जानकारी देते हुए जोधपुर से प्रियंका शर्मा ने डिजिटल डाटा द्वारा एप्प से जुड़ने की अपील की। इस मौके पर माध्यम महिला मंडल की अध्यक्षा संतोष शर्मा, चंद्रा शर्मा सरला शर्मा आदि ने भी अपने विचार प्रकट किए। राष्ट्रीय शाकद्वीपीय ब्राह्मण महासंघ के अध्यक्ष किशोर शर्मा ने उपस्थित जनों से समाज हित में सक्रिय योगदान देने की अपील करते हुए सभी का स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन चेतनप्रकाश शर्मा ने किया। इस बैठक में अन्य शहरों से आए अनेक सदस्यों ने समाज हित में अपने विचार व्यक्त किए। युवाओं ने व्यवस्था संभाली।

'परिवार की सुख-शांति और सफलता में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका'

विमलसागरसूरी की निश्रा में पारिवारिक सेमिनार सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गदग। राजस्थान जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक संघ के तत्वावधान में रविवार को पार्श्व बुद्धि वीर वाटिका की दूसरी पारिवारिक सेमिनार को संबोधित करते हुए जैनाचार्य विमलसागरसूरीजी ने कहा कि मां, बहन, बेटी, भाभी, सास, बहू, ननद, देवरानी और जेठानी, महिलाओं के ये मुख्य रूप हैं। यदि घर में सास अपनी बहू को बेटी की तरह और बहू अपनी सास को मां की तरह नहीं समझते हैं तो उस परिवार के विवाद को विधाता भी टाल नहीं सकते। इसमें ननद की भूमिका भी महत्वपूर्ण होती है। अगर ननद व भाभी के घनिष्ठ रिश्ते हों तो महिलावर्ग के अधिकांश विवाद समाप्त हो सकते हैं और स्नेह की सुहानी सरिता बह सकती है। आचार्यश्री ने कहा कि परिवार में महिलाओं की भूमिका सर्वाधिक महत्वपूर्ण होती है। पुरुष वर्ग चाहकर भी महिलाओं से आगे परिवार का निर्माण या विकास नहीं कर सकता। पुरुष परिवार का प्रासाद है, जबकि महिला उसकी बुनियाद है। महल की भव्यता और सुदृढ़ता उसकी बुनियाद पर निर्भर करती है। शायद इसीलिए नारी को शक्ति स्वरूपा कहा जाता है। उसके सौम्य, सरल, प्रबल, कठोर, क्रूर और रौद्र, कितने ही रूप हैं। भले ही प्रत्यक्ष दिखाई दें या नहीं, हर सफल पुरुष के पीछे किसी महिला की मज़बूत भूमिका होती है। महिला वर्ग का साथ-सहयोग ही परिवार की सुख-शांति और सफलता का आधार बनता है। ङ्कजैनाचार्य ने अनेक वीडियो द्वारा अपनी बातों का मार्मिक चित्रण किया। जैनाचार्य ने सास की सरलता, गरीब की मजबूरी, बहु-बेटी का शोषण, कन्याओं की घर वापसी तथा महिलाओं के मनोरोग की अत्यंत प्रभावशाली विवेचना की। आचार्य विमलसागरसूरीश्वर ने स्पष्ट किया कि यदि आप महिलाओं के आपसी विवादों के कारण घर में कमजोर हो गए तो बाहर कहीं भी जीत नहीं पाओगे और यदि घर से आप मजबूत हो तो कोई शक्ति आपको आसानी से परास्त भी नहीं कर पाएगी। संघ के सचिव हरीश गादिया ने बताया कि सेमिनार में वर्षावास प्रवेश के लाभार्थी वीणा और पंकज बाफना परिवार का जैन संघ की ओर से सम्मान किया गया। अनेक जिज्ञासुओं ने अपने अनुभव और विचार सभी के समक्ष व्यक्त किए।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कविता

हिंदी : भारत के माथे की बिंदी

हिंदी, हिंदी, मेरी हिंदी
भारत के माथे की बिंदी।

मधुरता इसकी गंगाजल जैसी
सरलता उपवन की हवा जैसी।

कबीर के दोहे, तुलसी की चौपाई
सूर,मीरा,नानक की भक्ति समाई।

बनी स्वतंत्रता संग्राम की आवाज़
'जय हिन्द' की गूंज से जुड़ा समाज।

संस्कृत से हिंदी, मूल से ए. आई
ज्ञान की ज्योति, जग में समाई।

जहाँ भी सुनूँ हिंदी की वाणी
वहाँ झलके भारत की निशानी।

सुचित्रा कौल मिश्रा

गुरु दर्शन से जागृत होता है सौभाग्य : साध्वी सोमयशा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के यशवंतपुर तेरापंथ भवन में विराजित साध्वी सोमयशाजी के सान्निध्य में गुरु महिमा पर प्रवचन हुआ। साध्वीश्री ने कहा कि गुरुकृपा अमूल्य है। गुरु की सेवा में चार पल भी मिल जाए तो दुर्भाग्य सौभाग्य में परिवर्तित हो जाता है। उनके समक्ष अनुशासन में रहना चाहिए।कभी उनकी कृपा पर संदेह नहीं करना चाहिए। जिंदगी के अतीत के पन्नों को मत खोलो अपितु कुछ नया लिखने के लिए खोलो। अगर सौभाग्यशाली बनना है तो जब भी गुरुसन्निधि में रहो। लक(एलयूसीके) यानी एल से लाइफ स्टाइल व्यवस्थित रखो, यू से अंडरस्टेंडिंग, जीवन की व्यवस्था को समझकर सामंजस्य बनाना, सी से कैरेक्टर यानी चरित्र बहुत महत्वपूर्ण है प्रामाणिकता, सदाचार, विनयशील रहो।

के से काइन्डनेस अर्थात दयालुता,संवेदनशील बनें। ऐसा करने से सौभाग्य प्रबल होता है।ङ्कसाध्वी ऋषिप्रभाजी ने कहा कि गुरु का पथ दर्शन मंगलकारक है। जब भी गुरु के सम्मुख रहो बिना दिखावे के, आडम्बरविहीन बन, कषाय की पोटली अर्थात क्रोध, मान, माया, लोभ को छोड़कर एवं निर्जरा श्रद्धासिक्त, विनय भाव के साथ रहे। तेयुप के निवर्तमान अध्यक्ष महावीर गन्ना ने कहा कि गुरु द्वारा जो प्राप्त नहीं हो पाता है वह अन्यत्र भी नहीं मिलता, गुरु तारणहार है। सभा के मंत्री अनिल दक ने साध्वीवृन्द के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करते हुए बताया कि साध्वी से प्रेरणा लेकर 4 वर्ष की कम उम्र के बालक-बालिकाओं ने पर्युषण महापर्व पर रात्रिभोजन त्याग, आहार परिहार, एकासन, उपवास, पौषध जैसे तप किए जो कि अनुकरणीय है।

ध्यान साधना के शिखर पुरुष हैं आचार्य डॉ. शिवमुनि : वरुणमुनि

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के गुजराती जैन संघ गांधीनगर में चातुर्मास विराजित डॉ वरुणमुनिजी ने उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति पर संत, ऋषि मुनियों का महान उपकार रहा है। गुरु हमारे जीवन के निर्माता हैं। गुरु के बिना जीवन की साधना अधूरी है। गुरु एक प्रकाश स्तंभ के समान है जो हमें अज्ञान रूपी अंधकार से बाहर निकाल कर हमारे जीवन को सम्यक ज्ञान की दिव्य ज्योति से हमारे संपूर्ण जीवन को ज्ञान रश्मियों से आत्म मन्दिर को आलोकित कर देते हैं। ज्ञान की प्राप्ति गुरु शरण स्वीकार कर गुरु चरणों में समर्पित होने पर ही हो सकती है। गुरु का हमारे जीवन पर असीम उपकार है। ऐसे ही श्रमण संघ की ध्वजा को चारों दिशाओं में फहराने वाले, भगवान महावीर के अहिंसा, तप, संयम, ध्यान साधना के आयामों को जन जन तक पहुंचाने वाले राष्ट्रसंत आचार्यश्री शिवमुनिजी हैं। वर्तमान में वे श्रमण संघ के नायक हैं। मुनिश्री ने कहा कि यह श्रमण संघ का सौभाग्य है कि उसे ऐसे ध्यानयोगी, ज्ञान योगी और ज्ञाता दृष्टा भाव संपन्न आचार्यश्री का नेतृत्व मिला है। ङ्कउपप्रवर्तक पंकजमुनिजी ने भी आचार्यश्री शिवमुनिजी के 84 वें जन्मोत्सव पर अग्रीम शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आचार्यश्री की विशेषताएं और सद्गुण हम सब के लिए एक आदर्श प्रेरणास्रोत हैं। उन्होंने आचार्यश्री ने जन्मोत्सव पर बड़ी संख्या में एकासना तप साधना करने की बात कही। ज्ञातव्य है कि आचार्यश्री शिवमुनिजी के 84वें जन्मोत्सव पर ऑल इण्डिया श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन कान्फ्रेंस महिला शाखा की ओर से पूरे भारतवर्ष में लगभग 84000 एकासना तप साधना के विशाल सामूहिक तप साधना अनुष्ठान का आव्हान किया जा रहा है। रूपेशमुनिजी ने भजन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन राजेश मेहता ने किया।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com